CMYK

मुंबई में हालात बदतर, 24 घंटे में छह की मौत, हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं 15 घंटे बाद बहाल

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

उपराष्ट्रपति पद के लिए बी सुदर्शन रेड्डी ने किया नामांकन

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 237 | रायपुर | शुक्रवार 22 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मानसून सत्र समाप्त हुआ : लोकसभा में केवल 37 घंटे चर्चा हुई

लोकसभा से 12 और राज्यसभा से 14 विधेयक पारित हुए, संसद सत्र स्थगित

नईदिल्ली,संवाददाता।

21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन था। विपक्ष के हंगामे के चलते आज लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को फटकार भी लगाई। इस सत्र में बिहार में एसआईआर को लेकर खूब विवाद हुआ, जिसने दोनों सदनों की कार्यवाही को प्रभावित किया।

सत्र के दौरान लोकसभा से 12 और राज्यसभा से 14 विधेयक पारित हुए। लोकसभा से मर्चेंट शिपिंग विधेयक, मणिपुर जीएसटी संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, आयकर विधेयक, टैक्सेशन लॉज (संशोधन) विधेयक, भारतीय बंदरगाह विधेयक, खनन और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक और आईआईएम संशोधन विधेयक पारित हुए। राज्यसभा में मणिपुर से जुड़े 2 विधेयक, मर्चेंट शिपिंग विधेयक बिल और गोवा विधानसभा से जुड़ा प्रतिनिधित्व संशोधन विधेयक समेत कुछ और विधेयक पारित हुए।

ओम बिरला ने बुलाई शिष्टाचार बैठक, विपक्ष शामिल नहीं हुआ

लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने शिष्टाचार बैठक बुलाई। जिसमें लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने हिस्सा नहीं लिया।

लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा विधेयक पारित किया गया। इसमें मनी आधारित गेमों को विनियमित करने के प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाने वाले 3 विधेयक भी पेश किए गए। इनमें प्रावधान हैं कि अगर मुख्यमंत्री और मंत्री को 30 दिन तक लगातार हिरासत में रखा गया तो उन्हें पद से इस्तीफा देना होगा। विपक्ष ने इन विधेयकों की प्रति फाड़कर उसकी टुकड़े गृह मंत्री अमित शाह की ओर फेंक दिए।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि सदन में केवल 37 घंटे ही चर्चा हो सकी, जबकि 120 घंटे का समय निर्धारित किया गया था। साथ ही 2 बार स्थगन के बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। उन्होंने बताया कि सत्र में 419 सवाल किए गए, जिनमें से 55 के उत्तर दिए गए। स्पीकर ने हंगामे पर नाराजगी भी जताई। संसद के दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल नहीं हो सका।

संसद में सबसे ज्यादा हंगामा बिहार में चुनाव आयोग के एसआईआर के मुद्दे पर हुआ। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने लगभग हर दिन सदन परिसर में प्रदर्शन किया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विशेष चर्चा भी हुई। इसके बाद कथित वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने खूब हंगामा किया। हंगामे के बीच कई अहम विधेयक बिना चर्चा के ध्वनिमत, आंशिक चर्चा या विपक्ष के वॉकआउट के बीच ही पारित हो गए।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ था और 21 अगस्त तक चला। पहले इसे 12 अगस्त को ही खत्म होना था। इस दौरान 18 बैठकें प्रस्तावित की गई थीं। सत्र की शुरुआत काफी हंगामेदार रही और शुरू के कुछ दिनों में तो लगातार सदन की कार्यवाही स्थगित हुई। इसके बाद वरिष्ठ सांसदों और स्पीकर ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें संसद सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी।

जम्मू-कश्मीर में जासूस कबूतर के पकड़े जाने के बाद स्टेशन और आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में एक जासूस कबूतर पकड़ा गया है, जिसके पैर में एक धमकी भरा नोट बंधा हुआ था। नोट में जम्मू स्टेशन को इम्प्रोवाइज्ड एक्प्लोसिव डिवाइस से उड़ाने की धमकी लिखी थी। धमकी भरा नोट मिलने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। साथ ही अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी अलर्ट घोषित किया गया है। अधिकारी कबूतर के सीमा पार पहुंचने की जांच कर रहे हैं।

कबूतर को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू से लगभग 40 किलोमीटर दूर आरएस पुरा सेक्टर के खटमारिया इलाके में पकड़ा है। नोट को उर्दू और अंग्रेजी भाषा में लिया गया था। उर्दू में लिखा था, कश्मीर हमारा है, समय आ गया है, आएगा, जबकि अंग्रेजी में लिखा था, जम्मू स्टेशन पर आईईडी विस्फोट, सब कुछ खत्म।

सरकार का बड़ा कदम, दिवाली और छठ पूजा के लिए चलाई जाएंगी 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेन, वापसी टिकटों पर मिलेगी छूट

लोकशक्ति।

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी संख्या को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे 12,000 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि 13 से 26 अक्टूबर के बीच आगे की यात्रा करने वाले यात्रियों और 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच वापसी यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए वापसी टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आगामी दिवाली और छठ त्योहारों के लिए भारतीय रेलवे द्वारा विशेष व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा,यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्रियों को उनकी वापसी यात्रा के दौरान कोई कठिनाई न हो। इसके अलावा, गया से दिल्ली, सहरसा से अमृतसर, छपरा से दिल्ली और मुजफ्फरपुर से हैदराबाद के लिए चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों और खासकर मध्यम वर्गीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक नई सर्किट ट्रेन भी शुरू की जाएगी। यह ट्रेन वैशाली, हाजीपुर, सोनपुर, पटना, राजगीर, गया और कोडरमा तक जाएगी। बक्सर-लखीसराय रेल खंड का विस्तार चार-लाइन वाले कॉरिडोर में किया जाएगा, जिससे ज्यादा ट्रेन चल सकेंगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पटना के चारों ओर एक रिंग रेलवे प्रणाली विकसित की जाएगी, जिसमें सुल्तानगंज और देवघर को रेल से जोड़ा जाएगा। पटना और अयोध्या के बीच एक नई रेल सेवा भी चलाई जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि लौकहा बाजार में एक वाशिंग पिट सुविधा स्थापित की जाएगी और बिहार में कई नए स्वीकृत सड़क ओवरब्रिजों पर काम किया जाएगा। प्राचीन लोक परंपराओं में निहित गहन आध्यात्मिक छठ पूजा साल में दो बार आती है और बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के मिथिला क्षेत्र में मनाई जाती है।

हमले के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सुरक्षा में बदलाव, जनसुनवाई में अब होगी नई व्यवस्था

नईदिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के बाद उनकी सुरक्षा में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री गुप्ता को ज़ेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है, लेकिन उनके सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय (जनसेवा सदन) में दिल्ली पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी सुरक्षा संभालेंगे। प्रत्येक सप्ताह बुधवार को होने वाली जनसुनवाई में भी नई सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। अब मुख्यमंत्री गुप्ता के पास पहुंचना आसान नहीं होगा। नई व्यवस्था के तहत आवास पर सीआरपीएफ के जवान तैनात रहेंगे। बुधवार को सुबह 8 से 10 बजे तक होने वाली जनसुनवाई में आने शिकायतकर्ताओं की शिकायत की जांच की जाएगी। शिकायकर्ता के प्रोफाइल की जांच होगी और शिकायत पहले ही ले ली जाएगी। मुख्यमंत्री और शिकायतकर्ता के बीच दूरी रहेगी और कोई सीधे उनके संपर्क में नहीं आएगा। शिकायतकर्ता की भी अच्छे से जांच की जाएगी। उसे कोई भी सामान ले जाने की मनाही होगी।

बुधवार को जनसुनवाई के दौरान गुजरात के राजकोट के रहने वाले राजेशभाई खिमजीभाई सकारिया ने मुख्यमंत्री गुप्ता से मुलाकात की और अचानक उन पर हमला कर दिया।

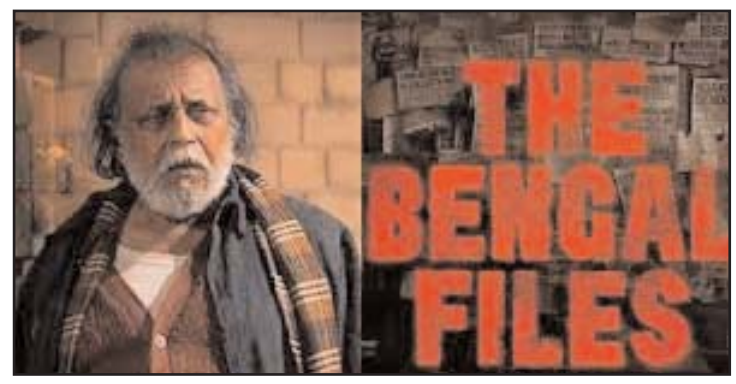

'द बंगाल फाइल्स' विवाद पर मिथुन चक्रवर्ती की दो टूक- कोई सच का सामना नहीं करना चाहता

एजेंसी : दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती का कहना है कि ''द बंगाल फ इल्स'' एक ऐसी फिल्म है जो 1946 में बंगाल में घटी घटनाओं के बारे में बताती है। वह इस बात से नाराज नजर आये कि फिल्म निर्माताओं द्वारा दर्शायी गयी सच्चाई को ''प्रचार'' बताकर खारिज कर दिया जा रहा है।

'द बंगाल फ इल्स' विवेक रंजन अग्निहोत्री की फ इल्सत्रयी की तीसरी फिल्म है जो 16 अगस्त 1946 के कलकत्ता दंगों के इर्द-गिर्द घूमती है। ये दंगे अखिल भारतीय मुस्लिम लीग द्वारा अलग 'होमलैंड' की मांग के लिए 'डायरेक्ट एक्शन डे' के आह्वान के बाद शुरू हुए थे। चक्रवर्ती, अग्निहोत्री की अधिकतर फिल्मों का नियमित रूप से हिस्सा रहे हैं, जिनमें 'द ताशकंद फ इल्स', 'द कश्मीर फ इल्स' और यह नयी फिल्म शामिल है।

चक्रवर्ती ने कहा कि एक ऐसा वर्ग है जो हमेशा ऐसी फिल्मों को निशाना बनाने की कोशिश करता रहता है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''अगर हम सच बोलते हैं तो उसे दुष्प्रचार कहा जाता है। क्या हमारी पीढ़ी को यह नहीं पता होना चाहिए कि नोआखली में क्या हुआ था और कलकत्ता हत्याकांड क्या था? उन्हें इसके बारे में नहीं जानना चाहिए? यह बहुत आश्चर्यजनक है। यह फिल्म सच्चाई, इतिहास, बंगाल और नोआखली में क्या हुआ और कलकत्ता हत्याकांड के बारे में है। हमने 'द कश्मीर फ इल्स' भी बनाई है, हमने इसमें सच्चाई दिखायी है।''

उन्होंने कहा,''ये लोग हमेशा चीज़ों को निशाना बनाने के लिए तैयार रहते हैं, चाहे आप कुछ भी करें। 'द ताशकंद फ इल्स' के साथ, क्या आप यह नहीं जानना चाहते कि हमारे महान नेता लाल बहादुर शास्त्री जी के साथ क्या हुआ, या ('द कश्मीर फाइल्स' के साथ) कश्मीरी पंडितों के साथ क्या हुआ? आपने तो सिर्फसुना था कि उन्हें निकाल दिया गया था, लेकिन यह कैसे हुआ? अब, आपको पता चल गया है।''

पूर्व राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता चक्रवर्ती ने कहा कि वह फिल्म में एक पागल व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक दंगा पीड़ित है और कहानी में अंतरात्मा की आवाज के रूप में काम करता है।

असम सरकार का बड़ा फैसला, 18 साल से ऊपर वालों को नहीं मिलेगा नया आधार कार्ड

एजेंसी

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज कहा कि अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता मिलने से रोकने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को असम में पहली बार आधार कार्ड नहीं मिलेगा. राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में 18 वर्ष से अधिक आयु के चाय जनजाति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को केवल एक वर्ष तक ही आधार कार्ड मिलता रहेगा. असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को, यदि अभी तक आधार कार्ड नहीं मिला है, तो आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा.

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दोस्त मैक्रों से की फोन पर बात

एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी अपने मित्र, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि उन्होंने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश | जयशंकर का रूस को न्योता,

अमेरिकी टैरिफ के बीच रूस से बोले जयशंकर : भारत के साथ व्यापार बढ़ाएं

वाशिंगटन ,एजेंसी

अमेरिका द्वारा भारत पर 50% टैरिफ लगाने के बावजूद भारत ने झुकने से इनकार कर दिया है। इस बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के साथ व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने का आह्वान किया है। उन्होंने रूसी कंपनियों से भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और *मेक इन इंडिया* जैसी पहलों का लाभ उठाने की अपील की। जयशंकर ने कहा कि भारत के शहरीकरण और विकास से पैदा हो रही नई मांग रूसी कारोबारियों के लिए बड़ा अवसर है।

जयशंकर ने कहा, 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की जीडीपी और 7त्न की वृद्धि दर वाला भारत भरोसेमंद स्रोतों से संसाधनों की जरूरत महसूस करता है। उर्वरक, रसायन और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में रूस की आपूर्ति भारत के लिए उपयोगी हो सकती है। तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स रूसी कंपनियों के लिए बड़े कारोबारी अवसर हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि *मेक इन इंडिया* और अन्य पहलें विदेशी निवेशकों के लिए नए रास्ते खोल रही हैं। उपभोग और जीवनशैली में बदलाव भी रूसी कंपनियों को भारतीय बाजार से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

भारत-रूस संबंधों पर जोर

जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते दुनिया में सबसे स्थिर माने जाते हैं। हालांकि, आर्थिक सहयोग उस स्तर तक नहीं पहुंचा है। हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ा है, लेकिन व्यापार घाटा भी बढ़ा है।

विदेश मंत्री ने कहा, अब हमें व्यापार को और विविध तथा संतुलित बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। यह न केवल उच्च लक्ष्यों को हासिल करने के लिए, बल्कि मौजूदा स्तर को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

भारत के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार ठीक नहीं : अपने घर में घिरे ट्रंप

निक्की हेली ने राष्ट्रपति को चेताया

एजेंसी ।

वाशिंगटन । अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से दोनों देशों के रिश्तों में खटास पैदा हो गई है। इस मामले को लेकर अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही देश में आलोचना का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने ट्रंप को चेतावनी दी है कि भारत के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करना अमेरिका के लिए नुकसानदेह होगा। उन्होंने कहा, भारत हमारा दुश्मन नहीं है।

निक्की हेली ने कहा कि चीन का मुकाबला करने के लिए भारत को सहयोगी और लोकतांत्रिक साझेदार के रूप में देखना ज़रूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत के साथ संबंधों को तोड़ना अमेरिका के लिए एक *रणनीतिक आपदा* साबित होगा। पिछले 25 वर्षों में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुए हैं और इस रफ्तार को रोकना खतरनाक कदम होगा।

चीन से निपटने के लिए भारत अहम हेली ने कहा कि भारत का लोकतांत्रिक उदय कम्युनिस्ट चीन के विपरीत स्वतंत्र दुनिया के लिए खतरा नहीं है। उन्होंने भारत को एक बहुमूल्य लोकतांत्रिक साझेदार बताते हुए कहा कि चीन के मुकाबले भारत के पास अमेरिका को सप्लाई चेन के लिए वैकल्पिक उत्पादन क्षमता उपलब्ध कराने की ताकत है।

भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत

अपने लेख में हेली ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा और उसका उदय चीन की महत्वाकांक्षाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनेगा। जैसे-जैसे भारत मजबूत होगा, चीन की महत्वाकांक्षाएं कमजोर होती जाएंगी।

'रणनीतिक भूल होगी भारत से दूरी'

हेली ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद को स्थायी दरार में बदलना अमेरिका की बड़ी और टाली जा सकने वाली भूल होगी। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि ऐसी स्थिति का चीन तुरंत फायदा उठाएगा। साथ ही, उन्होंने भारत को सलाह दी कि रूसी तेल पर राष्ट्रपति ट्रंप की आपत्तियों को गंभीरता से लेते हुए व्हाइट हाउस के साथ मिलकर समाधान निकाले।

एलन मस्क पर धोखाधड़ी का आरोप, अदालत में करना होगा मुकदमे का सामना

नई दिल्ली, टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क एक नए विवाद में फंस गए हैं. अमेरिका की एक संघीय अदालत ने मस्क को एक मुकदमे का सामना करने का आदेश दिया है. यह मुकदमा एक ऐसी योजना से जुड़ा है, जिसमें लोगों से अमेरिकी संविधान का समर्थन करने वाली याचिका पर हस्ताक्षर करवाए गए और इसके बदले 10 लाख डॉलर जीतने का लालच दिया गया था.

वादियों का आरोप है कि मस्क और उनकी राजनीतिक समिति अमेरिका पीएसी ने यह प्रचार किया कि अगर लोग याचिका पर हस्ताक्षर करेंगे तो उनमें से कुछ को लॉटरी के जरिए हर दिन 10 लाख डॉलर का इनाम मिलेगा. लेकिन बाद में पता चला कि विजेताओं का चयन पहले से ही किया गया था. यानी यह योजना पारदर्शी नहीं थी और लोगों को धोखे में रखकर उनकी जानकारी इकट्ठी की गई.

एरिजोना की रहने वाली जैकलीन मैकएफर्टी नामक महिला ने यह मुकदमा दायर किया है. उनका कहना है कि उन्हें और अन्य मतदाताओं को नाम, पता, ईमेल और फ़ोन नंबर जैसी निजी जानकारी देनी पड़ी. उनका आरोप है कि यह जानकारी चुनावी फायदे के लिए इस्तेमाल की गई.

CMYK

छग की जनजातियों पर शोध और अनुसंधान की राह खुली, गुरु घासीदास केन्द्रीय विवि और टी.आर.के.सी. के बीच हुआ एमओयू

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में निवास करने वाली जनजातियों पर विशेष शोध और अनुसंधान की राह खुल गई है। राज्य की जनजातियों की गौरवशाली परंपरा, उनकी संस्कृति और उनके आर्थिक-समाजिक ताने-बाने को लेकर अब विद्यार्थी उच्च स्तरीय शोध कर पाएंगे। राज्य के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय और ट्रायबल रिसर्च एण्ड नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के बीच इसके लिए महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। टीआरकेसी विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय जनजातियों के बारे में शोध कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संस्था है। विश्वविद्यालय के ओर से इस एमओयू पर कुलसचिव प्रो. अभय एस रणदिवे और टीआरकेसी की ओर से छतीसगढ़ प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत् संस्था द्वारा अगले तीन वर्षो तक छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों पर शोध कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे, वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय

युवा कार्यप्रमुख श्री वैभव सुरंगे सहित अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। एमओयू के बारे में टीआरकेसी के राज्य प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने बताया कि टीआरकेसी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जनजातीय विषयों पर शोध कार्यों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण संस्था है। गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर से एमओयू के बाद छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातीयों पर रिसर्च तेज होगी। उन्होंने बताया कि राज्य की पुरातन और गौरवशाली जनजातीय के कई अनछुए पहलुओं और उनकी सभ्यता और संस्कृति के बारे में इन शोधों से आम नागरिकों को भी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। इन शोध कार्यों से सरगुजा और बस्तर के क्षेत्रों की विभिन्न जनजातियों के आदिकालीन सामाजिक संगठन, उनके अर्थशास्त्र, सुशासन, ग्रामीण उद्यमिता, सतत् विकास और नवाचार के बारे में भी लोगों को जानकारियां मिलेंगी। श्री शर्मा ने बताया कि इससे खुद जनजातीय युवा अपने गौरवशाली अतीत और उसकी व्यवस्थाओं के बारे में जान पाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि संपादित एमओयू के बाद जनजातीयों पर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू होंगी। क्षेत्राधारित केस स्टडी और युवाओं, प्रशासकों, जनजातीय हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व विकास कार्यशालाएं और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी आयोजित होंगे। युवाओं के लिए सामाजिक प्रभाव आधारित स्टॉर्टअप और नवाचारों पर मार्गदर्शन तथा परामर्श सत्र रखे जाएंगे। विशेषज्ञों और प्राध्यापकों की भागीदारी से जनजातीय वर्ग में जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। जनजातीय पर आधारित संगोष्ठीयों, व्याख्यानों, सम्मेलनों, गोलमेज चर्चाओं तथा सार्वजनिक संवादों का भी आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि रिसर्च वर्क से मिले परिणामों को पुस्तकालयों, अनुसंधान प्रकाशनों तथा डेटाबेस के द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

सीजी-रेरा ने लॉन्च की वॉलंटरी कंप्लायंस स्कीम, विलंब शुल्क में 90 प्रतिशत तक की छूट

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (ष्टत्र-क्रश्वक्र) ने एक नई 'वॉलंटरी कंप्लायंस स्कीम' शुरू की है। यह योजना सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लाभ उठाकर रियल एस्टेट प्रमोटर अपनी लंबित रिपोर्ट जमा कर सकते हैं।

इस स्कीम के तहत, 31 मार्च 2024 तक पंजीकृत सभी प्रोजेक्ट्स के प्रमोटर्स को एक साथ अपनी तिमाही प्रगति रिपोर्ट और वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की सुविधा दी गई है। इस पहल का मकसद उन प्रमोटरों को राहत देना है जो किसी कारणवश अपनी रिपोर्ट्स समय पर जमा नहीं कर पाए थे।

योजना के प्रमुख लाभ

विलंब शुल्क में छूटः जो प्रमोटर्स अपनी लंबित रिपोर्ट्स जमा करते हैं, उन्हें विलंब शुल्क में 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

90त्न तक की भारी छूटः जिन प्रोजेक्ट्स के पास वैध 'कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र है, उन्हें विलंब शुल्क में 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी।

सीजी-रेरा ने इस योजना को रियल एस्टेट सेक्टर में नियमों के पालन की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। अथॉरिटी ने सभी प्रमोटरों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी सभी रिपोर्ट्स प्रस्तुत करें।

इस योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी सीजी रेरा की आधिकारिक वेबसाइट http-sÑ//rera.cgstate.gov.in/ पर उपलब्ध है। प्रमोटर परिपत्र संख्या 115, 116 और 119 में भी अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

5.84 करोड़ की लागत से बनेगा दुलदुला मार्ग ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

रायपुर। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की संवेदनशीलता और पहल पर फोटकोसेमरङ्कसजापानीङ्ककेंदापानी से कर्राडांड होते हुए दुलदुला तक 5 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण के लिए 5 करोड़ 84 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

अब इस सड़क के बन जाने से न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच भी आसान होगी। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों के कारण आवाजाही बेहद कठिन हो जाती थी। स्कूल, अस्पताल और बाजार तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क बन जाने से कर्राडांड, केंदापानी

और आसपास के कई गांव सीधे विकासखंड मुख्यालय दुलदुला से जुड़ जाएंगे। इससे किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने और उचित मूल्य प्राप्त करने में सुविधा होगी। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा और समय पर पूरा किया जाएगा, ताकि लोग शीघ्र बेहतर सड़क सुविधा का लाभ ले सकें।

ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित यह मांग पूरी होने से पूरे क्षेत्र में विकास का नया अध्याय शुरू होगा। बगिया स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर ग्रामीणों ने उनका आभार व्यक्त किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की जयंती पर उन्हें महापौर मीनल चौबे, गणमान्यजनों एवं आमजनों ने किया नमन

रायपुर । भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की जयन्ती पर उन्हें सादर नमन करने राजधानी शहर के राजीव गाँधी चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा स्थल में रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग ने नगर निगम जोन 4 के सहयोग से रखे गए पुष्पांजलि आयोजन में राजधानी शहर के प्रथम नागरिक नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी राजधानीवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी को जयन्ती पर सादर नमन करते हुए आदरांजलि अर्पित की. नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, जोन 4 उप अभियंता श्री रंजीत बारवा सहित नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं,आमजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी को जयन्ती पर प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सादर नमन किया।

नशामुक्ति जन-जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जशपुरनगर । संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र जशपुर में जिला कार्यालय समाज कल्याण एवं ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जशपुर के संयुक्त प्रयास से नशामुक्ति जन-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 25 की संख्या में हितग्राहियों ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्ति के लिए शपथ दिलाई गई। शपथ समारोह में समाज कल्याण जशपुर के कर्मचारी द्वारा जिले में संचालित 15 बिस्तरीय नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र जशपुर में दी जा रही सुविधाओं के बारे में कहा कि संस्था में निःशुल्क भोजन, आवास, योग, चिकित्सीय परामर्श एवं मनोरंजन प्रदान किया जाता है।

बस्तर जिले में मिले 63 हजार 134 संदिग्ध राशन कार्ड, डुप्लीकेट आधार के चलते 3 हजार बीपीएल राशन कार्ड

सरकारी कर्मी और बड़े किसान भी ले रहे थे बीपीएल कार्ड का लाभ

जगदलपुर । केंद्र सरकार के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा बीपीएल राशन कार्डो की जांच चल रही है। बस्तर जिले में 63 हजार 134 संदिग्ध राशन कार्ड और उपभोक्ता मिले हैं। केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई संदिग्ध राशन कार्डों की सूची में डुप्लीकेट आधार कार्ड, मृत व्यक्ति के नाम पर राशन, 6 या 12 महीने से अधिक समय से राशन नहीं ले रहे राशन कार्डधारी उपभोक्ताओं की जांच चल रही है।

मिली जानकारी अनुसार केंद्र सरकार के निर्देशानुसार जिनकी सालाना इनकम 6 लाख से अधिक है और उनके पास बीपीएल कार्ड है, तो इसकी जांच की जानी है। इसी प्रकार उच्च पद पर पदस्थ सरकारी कर्मचारी और बड़े किसानों का भी है, लेकिन बस्तर जिले में खाद्य विभाग के अधिकारी इस संबंध में राज्य सरकार से स्पष्ट निर्देश नहीं आना बताते हैं। खाद्य विभाग की टीम द्वारा घर में दस्तक देकर सर्वे के बाद कार्ड रद्द करने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। केंद्र से जिले को ऐसे 63 हजार 134 हितग्राहियों की सूची मिली है। इनमें से 98 हितग्राही ऐसे हैं, जो वर्तमान में सरकारी नौकरी में उच्च पद पर हैं। हर महीने लाखों का इनकम ले रहे हैं,बावजूद ऐसे लोगों के पास बीपीएल राशन कार्ड है। इसके अलावा 09 हितग्राही ऐसे हैं, जिनका टर्नओवर 25 लाख से अधिक है। इनके पास भी बीपीएल कार्ड है। हर महीने लाखों कमा रहे लोग भी गरीबी रेखा का कार्ड बनाकर सरकारी राशन खा रहे हैं। इन सबकी सूची खाद्य विभाग को मिल चुकी है। जांच शुरू होने के साथ ही फ्लिहाल ऐसे 3000 हितग्राहियों के कार्ड रद्द कर दिये गये हैं।

व्यापारी, शिक्षक, अधिकारी खा रहे मुफ्त का चावल

केंद्र से मिली सूची के अनुसार जिले के बड़े-बड़े व्यापारी भी इस सूची में शामिल हैं। 7वां वेतनमान लागू होने के वाद कई शिक्षकों का वेतन 70 हजार से 1 लाख रुपए तक हो गया है। इन शिक्षकों के पास भी बीपीएल राशन कार्ड मौजूद है। हर महीने मुफ्त का राशन खा रहे हैं। यह भी सर्वे के दौरान पकड़े जाएंगे। कई लोग अधिकारी बन चुके हैं। इनके पास भी बीपीएल कार्ड है, इनकी भी पहचान होगी।

6 से 12 महीने में राशन नहीं लेने वालों के काट रहे नाम।

वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

रायपुर।

वन्यजीव अपराधों की रोकथाम और कार्रवाई में तेजी लाने के लिए बलौदाबाजार वनमण्डल कार्यालय में दो दिवसीय 'वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर प्रशिक्षण कार्यशाला' शुरू हुई। यह कार्यशाला 19 से 20 अगस्त तक वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, भोपाल के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह प्रशिक्षण वन्यजीव अपराधों की जांच और अभियोजन को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

पहले दिन के प्रशिक्षण का शुभारंभ वनमण्डलाधिकारी श्री धम्मशील गणवीर ने किया। इसमें उदंती-सीतानदी टाईगर रिजर्व के उप निदेशक श्री वरुण जैन, बारनवापारा अभ्यारण्य के उप वन संरक्षक श्री क्रिशानू चंद्राकर, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो

भोपाल से डॉ. के.के. शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री यश कुमार सोनी, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फोरेंसिक एंड हेल्थ से डॉ. निधि राजपूत और मध्यप्रदेश पुलिस से श्री अफ़ज़ल खान जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, दंडनीय अपराधों की श्रेणियां, अनुसूचित प्राणियों का महत्व, अपराध जांच की प्रक्रिया और न्यायालय में साक्ष्यों की वैधानिकता पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने केस स्टडी और वास्तविक उदाहरणों के जरिए विषय को और अधिक सरल व प्रभावी बनाया।

राशन दुकानदारों ने कमीशन बढ़ाने तथा क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की

आगामी महीने से जाएंगे हड़ताल पर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चावल, शक्कर गुड़ और चना का वितरण किया जाता है

रायपुर । शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ के आव्हान पर सभी 14 हजार से अधिक राशन दुकानदार आगामी एक सितंबर से हड़ताल पर चले जाने की घोषणा की है। संघ की मांग है कि चावल गेहूं शक्कर के वितरण का काम राशन दुकानदारों द्वारा किया जाता है। लेकिन कमीशन में वृद्धि नहीं की जा रही है। इसके अलावा क्षतिपूर्ति भी नहीं मिलने से दुकानदार परेशान है। शासकीय राशन दुकानदार विक्रेता कल्याण संघ के प्रमुख विजय कुमार घृतलहरे ने बताया कि राज्य में शासकीय मूल्य पर चावल का वितरण का काम दुकानदारों द्वारा किया जाता है। जबकि दुकानदारों पर कई जिलों में जानलेवा हमला किया जा रहा है। हाल ही मे दुकानदारों ने तीन महीने का चावल सफलतापूर्वक वितरण किया लेकिन सरकार द्वारा प्रति क्विंटल गेहू, चावल, शक्कर एवं नमक के वितरण पर मात्र पांच रुपये कमीशन दिया जाता है जो कि काफी कम है। उन्होंने कहा कि पिछले कई साल से हम इसे बढ़ाने की मांग कर रहे है। दुकानों में रखे चावल शक्कर खराब हो जाता है लेकिन हमें कोई क्षतिपूर्ति नहीं मिलती। भारत सरकार की तरह बढ़ाया जाए कमीशनराज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चावल एवं अन्नपूर्णा योजना मध्यान्ह पोषण आहार तथा रिफाइन नमक का वितरण किया जाता है। मिट्टी तेल वितरण की व्यवस्था लचर है इसे सिंडीकेट द्वारा गायब कर दिया जाता है। पिछले 20 वर्षो से हमें चावल वितरण में 30 रुपये प्रति क्विंटल शक्कर में पांच रुपये प्रति क्विं. मध्यान्ह पूरक पोषण आहार अन्नपूर्ण निशक्त योजना में बेगारी कराई जा र ही है। हमें केंद्र के बराबर 90 रुपये प्रति क्विंट. की दर से कमीशन दिया जाना चाहिए। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सफल संचालन करने वाले दुकानदारों का कहना है कि वितरण भंडारण में हमें क्षति होती है।

बैलाडीला की पहाड़ी पर विराजित है 11वीं शताब्दी की श्रीगणेश प्रतिमा

सदियों से उपेक्षा का दंश झेल रही है यह मनोरम प्रतिमा

जगदलपुर । बस्तर संभाग मुख्यालय से 85 किमी दूर दंतेवाड़ा जिले की लौह नगरी बैलाडीला की एक पहाड़ी का नाम है ढोलकल, जिसके शिखर पर ग्यारहवीं शताब्दी की दुर्लभ गणेश प्रतिमा विराजमान है। किवदंती है कि इसकी स्थापना छिंदक नागवंशी राजाओं ने की थी। यह प्रतिमा पूरी तरह सुरक्षित और ललितासन मुद्रा में है। वहीं ढोलकल शिखर के पास स्थित दूसरे शिखर में सूर्यदेव की प्रतिमा स्थापित थी जो 15 वर्षो से गायब है।

श्रीगणेश एवं परशुराम की युद्धस्थली

दक्षिण बस्तर के भोगामी आदिवासी परिवार अपनी उत्पत्ति ढोलकट्टा की महिला पुजारी से

मानते हैं। क्षेत्र में यह कथा प्रचलित है कि भगवान गणेश और परशूराम का युद्ध इसी शिखर पर हुआ था। युद्ध के दौरान भगवान गणेश का एक दांत यहां टूट गया। इस घटना को चिरस्थाई बनाने के लिए छिंदक नागवंशी राजाओं ने शिखर पर गणेश की प्रतिमा स्थापति की। चूंकि परशूराम के फरसे से गणेश का दांत टूटा था, इसलिए पहाड़ी की शिखर के नीचे के गांव का नाम फरसपाल रखा। यह स्थल बचेली वन परिक्षेत्र के फूलगट्टा वन कक्ष अंतर्गत है। समुद्र तल से इस शिखर की ऊंचाई 2994 फीट है। ढोलकल शिखर तक पहुंचने के लिए दंतेवाड़ा से करीब 18 किलोमीटर दूर फरसपाल जाना पड़ता है। यहां से कोतवाल पारा होकर जामपारा तक पहुंच मार्ग है। जामपारा में वाहन खड़ी कर तथा ग्रामीणों के सहयोग से शिखर तक पहुंचा जा सकता है। जामपारा पहाड़ के नीचे है। यहां से करीब तीन घंटे पैदल चलकर तक पहाड़ी पगडंडियों से होकर ऊपर पहुंचना पड़ता है। बारिश के दिनों में पहाड़ी नाला बाधक है। वहीं मच्छरों से भी लोगों को परेशानी होती है। बीते चार वर्षो में ढोलकल शिखर तक पहुंचने के लिए पर्यटन विभाग से लेकर जिला प्रशासन दंतेवाड़ा तक कई घोषणाएं की गई पर न पगडंडियों को दुरुस्त किया गया न ही छत्तीसगढ़ में सबसे ऊंचे स्थल पर विराजमान दुर्लभ गणेश प्रतिमा को प्रचारित करने का प्रयास किया गया। ग्रामीण युवकों की मदद से ही लोग वहां पहुंच पाते हैं। बैलाडीला की पहाडियों को लौह अयस्क के कारण कई कंपनियों को लीज पर दिया गया है। बैलाडीला की पहाडियों का सर्वे करने वाले भूगर्भशास्त्री डॉ. क्रूकसेंक ने अपने सर्वे रिपोर्ट में लिखा है कि बैलाडीला की पहाडियों में कई दुर्लभ प्रतिमाएं बिखरी पड़ी हैं।

हर साल दशहरा रथ बनाने काटे जाते हैं 300 से ज्यादा साल के पेड़

क्षतिपूर्ति पौधरोपण के लिए फंड मांगने पर बगलें झांक रहे नेता

पौधों की सुरक्षा और चौकीदारी खर्च देने समिति तैयार नहीं

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा का विशाल रथ तैयार करने हर साल करीब 300 पेड़ों की कटाई की जाती हैं। इसके एवज में प्रतिवर्ष क्षतिपूर्ति साल पौधरोपण हेतु अलग से राशि आबंटित करने की मांग 10 वर्षो से की जा रही है, किंतु इस दिशा में बस्तर दशहरा समिति के पदाधिकारी कन्नी काट रहे हैं और यह तर्क दे रहे हैं कि वन विभाग तो हर साल क्षतिपूर्ति पौधरोपण करता है, तो दशहरा समिति को अलग से राशि देने की क्या जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि बस्तर दशहरा के लिए हर एक साल के अंतराल में चार और आठ पहियों वाला नया विशाल रथ तैयार किया जाता है। इसके लिए बस्तर वनमंडल के विभिन्न रेंजों से 300 से ज्यादा पेड़ों की कटाई की जाती है। इनमें 100 साल से अधिक उम्र वाले साल के 200 से ज्यादा पेड़ भी हैं। बस्तर के पर्यावरण प्रेमियों के दबाव में वर्ष 2019 से वन विभाग ही क्षतिपूर्ति पौधारोपण कर रहा है, किंतु बस्तर दशहरा समिति या टेंपल कमेटी द्वारा इस दिशा में फूटी कौड़ी नहीं दी जा रही है।

भगवान जगन्नाथ के धाम पुरी में प्रतिवर्ष रथयात्रा के मौके पर तीन रथ बनाने 200 पेड़ों की कटाई की जाती है और बदले में चार गुना साल के पौधे रोपे जाते हैं। बस्तर दशहरा रथ के लिए प्रतिवर्ष 300 से ज्यादा पेड़ काटे जाते हैं और सिर्फ एक रथ तैयार किया जाता है किंतु यहां क्षतिपूर्ति पौधरोपण की कोई परंपरा नहीं है। वन विभाग ही पिछले 6 वर्षो से बोड़ामुंडा और नकटी सेमरा में दशहरा वन विकसित कर रहा है।गौरतलब है कि बस्तर दशहरा के नाम पर हर साल करीब डेढ़ करोड़ रूपये खर्च किया जाते हैं। इधर वन विभाग दशहरा समिति को प्रति वर्ष करीब 15 लाख रूपये की लगभग 150 घन मीटर इमारती लकड़ी निःशुल्क उपलब्ध कराती है। बाद में टेंपल स्टेट कमेटी रथ को दो-तीन लाख रूपये में नीलाम कर देती है। इस संदर्भ में समिति का कहना है कि लकड़ी के बदले में वन विभाग को राशि दी जाती है। इस बात का खंडन करते हुए वन विभाग के अधिकारी कहते हैं कि, समिति वाले सिर्फ लकड़ी ढुलाई खर्च ही वहन करते हैं। आज तक इमारती लकड़ी की कोई कीमत अदा नहीं की गई है।इस संदर्भ में बस्तर दशहरा समिति के पूर्व अध्यक्ष दीपक बैज ने दो साल पहले ही कह दिया था कि वन विभाग पौधरोपण करवाता है। अलग से राशि देने का क्या औचित्य है? इस संदर्भ में वर्तमान सांसद और बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष भी कहते हैं कि क्षतिपूर्ति पौधारोपण होना चाहिए और इसके लिए राशि की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। वन विभाग प्रति वर्ष लाखों पेड़ लगाता है, इसलिए अलग से राशि देने का कोई औचित्य नहीं है।

सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शिक्षा विभाग की पारदर्शी पहल : पदोन्नत प्राचार्यों की ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रारम्भ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज से राजधानी रायपुर स्थित शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर में पदोन्नत प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग की शुरुआत हो गई है। इस प्रक्रिया में कुल 845 नव पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे।

संचालक लोक शिक्षण श्री ऋतुराज रघुवंशी और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति और मार्गदर्शन में काउंसिलिंग 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से आयोजित होगी। प्रत्येक दिन दो पालियों में क्रमशः 150-150 प्राचार्यों को शामिल किया जाएगा। पदोन्नति आदेश एवं रिक्त पदों की सूची पूर्व में ही स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जिससे चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं सुगम हो।

सरकार द्वारा तय नियमावली एवं वरिष्ठता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, इसके बाद महिला और फिर पुरुष अभ्यर्थियों को वरिष्ठता क्रम से संस्था चयन का अवसर मिलेगा। एक वर्ष से कम अवधि में सेवानिवृत्त होने वाले प्राचार्यों को भी प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

काउंसिलिंग हेतु वेटिंग हॉल और काउंसिलिंग कक्ष निर्धारित कर दिए गए हैं, जहाँ केवल अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। सभी पदोन्नत प्राचार्यों को अपने सेवा प्रमाण पत्र और मान्य फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे।

काउंसिलिंग में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को अंतिम दिन 23 अगस्त को अवसर दिया जाएगा। काउंसिलिंग पूर्ण होने के पश्चात् शासन द्वारा पदस्थापना आदेश जारी किए जाएंगे तथा सभी को आदेश प्राप्ति के 7 दिवस के भीतर पदग्रहण करना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार ने शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और सरलता लाने का संकल्प लिया है। इस पहल से अब प्राचार्यों की पदस्थापना की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सुविधाजनक हो गई है। पहले से ही रिक्त पदों का स्थान सार्वजनिक कर दिया गया है, जिससे सभी को अपने अधिकार और विकल्प स्पष्ट रूप से उपलब्ध हो सके।

राष्ट्रीय राजमार्ग में मवेशियों के चलते हादसे को रोकने हाईकोर्ट के कड़े निर्देश

राजधानी में चल रही है सड़क में बैठे पशुओं की धरपकड़

रायपुर । हाईकोर्ट द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग में तथा शहर के अंदर मवेशियों को हटाने के निर्देश बार बार दिये जा रहे है इस संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने हादसे रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। वहीं मुख्य सचिव छग शासन ने भी लोक निर्माण नगर निगम को निर्देशित कर राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख मार्गों से मवेशियों को हटाने का आदेश दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार इस समय बरसात के दिनों में अधिकांश मवेशी एवं पशु राष्ट्रीय राजमार्ग तथा राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों में बैठे रहते है जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे है। हाईकोर्ट ने याचिका कर्ताओं की सुनवाई में आदेश दिया है कि हाइवे में मवेशियों के कारण होने वाले हादसे बर्दास्त नहीं किये जाएंगें । सरकार को इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा प्रदेश की सड़कों पर मवेशियों का जमघट लगा रहता है। ये मवेशी रात को वाहन चालकों को नहीं दिखते जिसके चलते यहां पर कई हादसे हो रहे हैं। इस संबंध में मुख्य सचिव एवं एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को शपथ पत्र देने के निर्देश दिया गया है। मवेशियों को सड़क पर आने से रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने को कहा गया है।

एनएचएआई ने बताया कि हादसे रोकने के लिए कई कदम उठाए गए है। कई पेट्रोलिंग वाहन तैनात किये गये है। मवेशी चबूतरा बनाए गये है। रतनपुर और बेलमुंडी में सेट का प्रस्ताव बनाया गया है। टोल प्लाजा में जागरूकता के पर्चे बांटे गये है। इसके अलावा मजदूरों को काम पर लगाया गया है। मवेशियों को रिफ्लेटिंग नेक बेल्ट और हाइवे पर स्ट्रीट लाइन लगाने का काम शुरू किया गया है।

निगम कर रहा कार्रवाई

नगर निगम रायपुर द्वारा भी इन दिनों एमजी रोड, मालवीय रोड, भिलाई दुर्ग जीई रोड सहित अन्य मार्गों में बैठे पशुओं को पकड़ा जा रहा है। इन्हें पकड़ पर गौठानों में बंद किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया है कि इसका पालन प्रतिपालन गंभीरता से करे। राज्य में इस समय सभी जोन कमिश्नरों के द्वारा धर पकड़ जारी है। इसके अलावा कुत्तों को भी पकड़ा जा रहा है तथा उनको गौठानों में भेजा जा रहा है जिसको लेकर पशु प्रेमियों में रोष है।

गोबरा नयापारा में 70 एमएम तथा महासमुंद में 9.4 एमएम वर्षा हुई

रायपुर। रायपुर संभाग सहित अन्य स्थानों पर बीती रात हो रही वर्षा से किसानों को राहत मिली है। किसानों के अनुसार यह पानी नहीं अमृत बरस रहा है। रायपुर संभाग के गोबरा नवापारा 70.1 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई है। मौसम विभाग ने हल्की सी मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग के डॉ. चंद्रा से मिली जानकारी के अनुसार कम आबदाब का क्षेत्र निर्मित होने के कारण राजधानी रायपुर सहित अन्य स्थानों पर अच्छी वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि रायपुर 31.1 एमएम बालोद 64.8 महासमुंद में 9.4एमएम वर्षा हुई है। मौसम विभाग के अनुसार कम दबाव का क्षेत्र आबदाब में बदल गया है जिसके कारण सभी जगह सर्वत्र वर्षा हो रही है। कृषि विभाग के उपसंचालक अवस्थी के अनुसार रायपुर संभाग के आरंग धरसींवा तिल्दा अभनपुर में निरंतर वर्षा की स्थिति में सुधार आया है। उन्होंने बताया कि रायपुर जिले में 1 लाख 60 हजार एकड़ में धान की खेती की जाती है। पिछले दिनों मानसून के रूट जाने के कारण महानदी के मुख्य नगर और समोदा डायवर्सन से पानी छोड़ा गया था। अभी यह स्थिति नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में निर्मित कब दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ गया है जिसके कारण अब हल्की सी मध्यम वर्षा होगी।

वरिष्ठ साहित्यकार बलदाऊ राम साहू मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति के लिए सदस्य नामित हुए

रायपुर । वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद बलदाऊ राम साहू मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय नईदिल्ली की संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति के लिए राजभाषा विभाग द्वारा सदस्य नामित किए गए हैं। यह सूचना उन्हें गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली ने दी है। ज्ञात हो कि कि बलदाऊ राम साहू एक शिक्षाविद व बाल साहित्यकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक संस्थाओं में कार्य करते हुए अंत में वे सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, रायपुर के पद से फरवरी 2020 में सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके 30 से अधिक रचना संग्रह प्रकाशित हैं जिसमें 20 से अधिक बाल-साहित्य है। उनकी सुरुज नवा उगइया है छत्तीसगढ़ी ग़ज़ल संग्रह और ददरिया में लोक तत्व चर्चित पुस्तक है।

ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन का किया शुभारंभ

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में स्पाइन चिकित्सा हेतु अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मात्र 20 माह के इस अल्प समय में राज्य सरकार ने गांव से लेकर शहरों तक स्वास्थ्य क्षेत्र की बुनियादी व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया है। इसका परिणाम है कि हमारे स्वास्थ्य केंद्रों को लगातार उच्च स्तरीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ एवं अंबिकापुर में 100-100 बिस्तरों वाले नए अस्पतालों की स्थापना हेतु देश की प्रतिष्ठित संस्था अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ एमओयू किया गया है। आम जनता को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए किसानों को खेत बेचने और कर्ज लेने की स्थिति आ जाती थी, परंतु आज आयुष्मान कार्ड के माध्यम से बड़े से बड़े अस्पताल से लेकर छोटे अस्पताल तक में निःशुल्क इलाज संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए वेलनेस सेंटरों के संचालन और जेनरिक दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि लोगों को अधिक खर्च न उठाना पड़े।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन की स्थापना के लिए श्री नारायणा हॉस्पिटल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निश्चित ही इसका लाभ केवल छत्तीसगढ़ के मरीजों को ही नहीं, बल्कि आसपास के राज्यों से उपचार हेतु आने वाले मरीजों को भी मिलेगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी कार्यक्रम को

निगम जोन 8 ने वार्ड 19 में स्वीकृति विपरीत अवैध निर्माण को हटाया

रायपुर। राजधानी में इन दिनों नगर निवेश से बिना अनुमति एवं नियम विरुद्ध नक्शा पारित कर अवैध निर्माण करने वाले भूमाफियाओं पर ठोस कार्रवाई की जा रही है। नगर निवेश द्वारा ऐसे ही कई लोगों का अवैध निर्माण तोड़ा गया है। यह कार्रवाई नगर निगम द्वारा विभिन्न जोन में की जा रही है। इस समय राजधानी के आउटर इलाके में अवैध निर्माण का काम धड़ल्ले से चल रहा है भाठागांव पिरदा तथा गोगांव में कई भूमाफियाओं द्वारा यह काम कराया जा रहा है। नगर निगम द्वारा इसे तत्काल तोड़ने का आदेश दिया गया है। निगम से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर निगम जोन 8 अंतर्गत वार्ड ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 19 के क्षेत्र में स्वीकृति के विपरीत किये गए।

'प्रोजेक्ट धड़कन'-आंगनबाड़ी व विद्यालयों में निःशुल्क हृदय रोग जांच अभियान जारी

बचपन रहे स्वस्थ, दिल धड़कता रहे खुशियों से 'प्रोजेक्ट धड़कन' के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर*

रायपुर, लोकशक्ति

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर की नवाचारी पहल ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ के अंतर्गत में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों के जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु स्क्रीनिंग की गई।

आंगनबाड़ी क्रमांक 7 शुक्रवारी बाजार बिरगांव में 92 बच्चों की जांच की गई। जिसमें 38 छात्र एवं 54 छात्राएं शामिल रही। जिसमें कोई भी बच्चे सस्पेक्टेड नहीं मिले। पी एम श्री आडवाणी अर्लीकन स्तम्भस बिरगांव में, कुल 211 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 95 छात्र एवं 116 छात्राएं शामिल रहे कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। आंगन बाड़ी 6 इंद्रा नगर बिरगांव में 75 बच्चों की स्क्रीनिंग किया गया जिसमें छात्र 38 तथा छात्राएं 37 शामिल रही,(1 लड़की+2 बालक) कुल 3 बच्चें सस्पेक्टेड मिले। आगे की जांच एवं ईलाज श्री सत्य साई हॉस्पिटल नवा रायपुर द्वारा की जाएगी।

प्रोजेक्ट धड़कन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आना जैसे लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जाती है।

छत्तीसगढ़ की धरोहर से रूबरू हुई नई पीढ़ी – जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में वर्चुअल क्विज ने बढ़ाया उत्साह

राजकीय वृक्ष, पुष्प, राष्ट्रीय उद्यान और सिरपुर कला शैली पर पूछे गए सवाल

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में आयोजित छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी में आज ज्ञान, इतिहास और तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के छठवें दिन राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों ने 'खेलो छत्तीसगढ़ ज्ञान प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया और छत्तीसगढ़ के भूगोल, इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों से जुड़े सवालों के सही जवाब देकर पुरस्कार जीते।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से छत्तीसगढ़ के राजकीय वृक्ष, पुष्प, राष्ट्रीय उद्यान, जशपुर जिले के जलप्रपात, सरगुजा के खनिज, महासमुंद के सिरपुर की प्राचीन कला शैली और बस्तर क्राफ्ट जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे गए। संत कंवर राम विद्यालय की छात्रा परी मानिकपुरी ने पूरे 15 प्रश्नों के सही उत्तर देकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

दुर्ग से आईं श्रीमती पायल शर्मा (गूगल बॉय मास्टर रुद्र की माता) ने वर्चुअल रियलिटी गेम्स के जरिए प्रश्नों के उत्तर दिए और छत्तीसगढ़ के नक्शे पर सही स्थानों को चिह्नित कर अंक प्राप्त किए। रायपुर की श्रीमती गीता गुप्ता ने भी वर्चुअल रियलिटी गेम्स में हिस्सा लिया, उन्होंने कहा कि वर्चुअल अनुभवों से चीजें लंबे समय तक याद रहती हैं, जिससे पढ़ाई और भी रोचक बनती है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए श्री जी.के. ताम्रकार ने इसे ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि यहां से हमें ऐसी ऐतिहासिक जानकारियां मिलती हैं जो सामान्य तौर पर उपलब्ध नहीं होतीं। इसी तरह श्री अखिलेश्वर तिवारी ने कहा कि यहां स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों के साथ-साथ राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी सरल ढंग से मिल रही है।

आज मायाराम सुरजन कन्या विद्यालय, संत कंवर राम विद्यालय, भारत स्काउट गाइड, प्रो. जे. एन. पांडे विद्यालय और अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा से परिचित हुए।

गौरतलब है कि यह प्रदर्शनी न केवल वीर स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन, संघर्ष और दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शित कर रही है, बल्कि आजादी की लड़ाई के दौरान छत्तीसगढ़ की सक्रिय भूमिका को भी उजागर कर रही है। इसके साथ ही, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं और प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों की झलक भी यहां देखने को मिल रही है। प्रदर्शनी का आयोजन 15 अगस्त से किया गया रहा है, गुरुवार 21 अगस्त कल तक सुबह 10:30 बजे से रात 8:00 बजे तक आम नागरिकों के लिए निःशुल्क खुली रहेगी।

गणेश विसर्जन के लिए महादेव घाट की विशेष साफ सफाई

महादेवघाट की लगातार एक सप्ताह सफाई एवं स्वच्छता अभियान निगम चला रहा

रायपुर । नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर महादेवघाट में गंदगी होने की जनशिकायत के त्वरित निदान हेतु नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग की विशेष सफाई गैंग ने नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर लगातार एक सप्ताह तक महादेवघाट में घाट व पचरी की सघन सफाई करवाकर कचरा गंदगी उठवाकर जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु स्वच्छता कायम की।

गणेश उत्सव पर्व के पूर्व महापौर के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रिती सिंह ने प्रतिदिन एक सप्ताह तक निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरिजेश तिवारी की उपस्थिति में महादेवघाट की सफाई का निरीक्षण कर समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये एवं स्वच्छता कायम की।

वर्तमान में महादेवघाट की सफाई की मॉनिटरिंग महापौर के निर्देश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रतिदिन की जा रही है एवं श्रीगणेश उत्सव हेतु पूर्ण स्वच्छता कायम करने अभियान प्रतिदिन जारी है। नागरिको से नदी में कचरा व गंदगी नहीं डालने एवं स्वच्छता कायम रखने सहभागिता दर्ज करवाने की अपील महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम की ओर से की है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

पाक की चिंता चीन का भारत के करीब आना

पाकिस्तान के लिये चिंता की बात है चीन का भारत के तरफ सकारात्मक रूख क्योंकि ट्रंप की नीतियों के चलते अमेरिका से बिगड़ते संबंधों के साथ भारत में अचानक चीन से रिश्ते सुधारने और रूस से संबंध और गहरा करने की जरूरत पर अधिक जोर दिया जाने लगा है। संकेत हैं कि भारत सरकार ने इससे संबंधित प्रक्रियाओं को तेज कर दिया है। उधर, ऐसा लगता है कि चीन ने इस नई परिस्थिति में अपने लिए अवसर देखा है। भारत और अमेरिका के बीच दरार चौड़ी हो जाए, तो चीन के लिए यह अच्छी स्थिति होगी। यह अमेरिका की चीन को घेरने की रणनीति के लिए एक झटका होगा, जिसे स्वरूप देने में गुजरे डेढ़ दशक में अमेरिका ने अपनी काफी ऊर्जा लगाई है। तो खबर है कि चीन ने भारत को उर्वरकों के निर्यात रोकने की नीति में ढिलाई दे दी है और कथित रबर डंपिंग के मामले में भारत के खिलाफ जांच रोक दी है।

दोस्ती मजबूत रिश्तों में बदल जाती है।

जिंदगी जब बुलंदी से फिसल जाती है
वक्त की घड़ी हाथ से निकल जाती है।

चाहता तो सबके साथ चलना सदा
जिंदगी जज्बातों में बहल जाती है।

अपनी लगी भाई तुम्हारी मां मुझको
दोस्ती भी जब रिश्तों में बदल जाती है।

प्यार फूलों से मिजाजन बहुत है लैकिन
ये तबीयत अब कांटों से बहल जाती है।

छोड़ नहीं सकता ये उम्मीद मेरी कभी
लड़खड़ाते चलती फिर संभल जाती है।

पथरीली राहें थीं कभी मुश्किल संजीव
जिंदगी तूफानों में भी संभल जाती है।

– संजीव ठाकुर।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से कई हित सधेंगे

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करके एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। भाजपा ने बहुत सोच-समझकर उन्हें इस प्रतिष्ठित पद का उम्मीदवार बनाया है। वे तमिल हैं, पिछड़े भी हैं, संघ से जुड़े हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने करीबी एवं साफ-सुथरी छवि वाले राजनायक हैं। भाजपा ने जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया, तो यह केवल राजनीतिक गणित का परिणाम नहीं था, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निर्णय था, जो सादगी, ईमानदारी और सेवा की पहचान रखते हैं। उनका चयन भारतीय लोकतंत्र की व्यापकता और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है।

अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही आरएसएस का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

उपराष्ट्रपति पद पर उनका चयन ओबीसी समाज को सम्मान और सशक्तिकरण का नया संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार इस वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया है। राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की नीति को बल दिया है। राधाकृष्णन का चयन इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भाजपा को देशभर में ओबीसी समाज का और अधिक समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा की सामाजिक आधारशिला और मजबूत होगी। भाजपा अपने निर्णयों से हमेशा करिश्मा घटित करती रही है, अपने चतुराई का परिचय देती रही है, सी.पी. राधाकृष्णन का चयन भाजपा की इसी रणनीतिक चतुराई का ही बड़ा उदाहरण है। इससे पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं, दक्षिण भारत में पैठ बनाना, ओबीसी समाज को साधना, विपक्ष को असहज करना और साफ-सुथरी राजनीति का संदेश देना। यह तय है कि उपराष्ट्रपति के रूप में वे न केवल भाजपा बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए सफल नायक सिद्ध होंगे।

यह एक संयोग की कहा जायेगा कि देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर बड़ा भरोसा रहा है, क्योंकि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी। अभी उपराष्ट्रपति पद पर ऐसे ही भरोसेमंद, निष्ठाशील एवं जिम्मेदार व्यक्ति की ही तलाश थी। उपराष्ट्रपति भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी करते हैं। राधाकृष्णन का अध्ययनशील स्वभाव, शालीन व्यवहार और संतुलित दृष्टिकोण भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करेगा। उनका व्यक्तित्व भारत की परंपरा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रभावी प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति केवल राज्यसभा के सभापति ही नहीं होते, बल्कि सर्वदलीय संवाद और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षक भी होते हैं। राधाकृष्णन का सौम्य व्यक्तित्व, धैर्य और संवाद क्षमता उन्हें इस भूमिका में और अधिक सफल बनाएगी। विपक्षी दलों के लिए भी उनकी छवि स्वीकार्य है, जो संसद की कार्यवाही को संतुलित बनाए रखने में सहायक होगी। सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चयन भारतीय लोकतंत्र की उस विशेषता को रेखांकित करता है, जिसमें सादगी और सेवा जैसे गुण सर्वोपरि माने जाते हैं। वे न केवल दक्षिण भारत और ओबीसी समाज का सम्मान हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आशा और संतुलन का चेहरा हैं। निश्चित रूप से वे उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हुए आने वाले वर्षों में एक आदर्श और प्रेरक नायक सिद्ध होंगे। जैसाकि पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हमारे आदर्श नायक हैं।

वैसे भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वर्तमान उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन के बीच कुछ उल्लेखनीय समानताएं दिखाई देती हैं। भले ही दोनों की पृष्ठभूमि अलग हो, एक महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनयिक रहे, तो दूसरे राजनीति और सामाजिक जीवन से जुड़े हैं, फिर भी उनके व्यक्तित्व में कई साझा बिंदु हैं जैसे दोनों का नाम 'राधाकृष्णन' है, जो भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण से जुड़ी भक्ति, ज्ञान और नीति का प्रतीक है। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में भारतीय परंपरा और मूल्यों को प्रतिष्ठित किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वपटल पर प्रतिष्ठा दिलाई और शिक्षा जगत को नई दिशा दी। सी.पी. राधाकृष्णन ने राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सेवा, ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए ख्याति अर्जित की। डॉ. राधाकृष्णन जीवन भर शिक्षक रहे और शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना। सी.पी. राधाकृष्णन का राजनीतिक जीवन भी शिक्षा, नैतिकता और संस्कारों की धरती पर खड़ा है। वे स्वच्छ छवि और सादगी के लिए जाने जाते हैं। दोनों का जीवन साधारण परंतु ऊँचे आदर्शों से जुड़ा रहा। किसी प्रकार का दुराचार या विवाद इन दोनों के जीवन में नहीं जुड़ा, जो आज के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में बहुत दुर्लभ है। डॉ. राधाकृष्णन को दार्शनिक-राजनेता के रूप में विश्वभर में सम्मान मिला। सी.पी. राधाकृष्णन को जनता का भरोसा, सरल व्यवहार और समाज में उनकी स्वीकार्यता ने एक सम्मानित नेता बनाया। डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को स्थापित किया। सी.पी. राधाकृष्णन भी राजनीति में समन्वयकारी, सर्वसमावेशी और राष्ट्रहित की सोच को आगे बढ़ाते हैं। दोनों ही भारतीय मूल्यों, ईमानदारी और राष्ट्र-सेवा के प्रतीक माने जा सकते हैं।

राजनीति में सी.पी. राधाकृष्णन की पहचान एक स्वच्छ और सादगीपूर्ण नेता की है। वे कभी भी विवादास्पद राजनीति का हिस्सा नहीं बने, बल्कि अपने संगठन कौशल, जनता से जुड़ाव और सेवाभाव से अपनी अलग जगह बनाई। सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहने के कारण उनका व्यक्तित्व सिर्फराजनीतिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। यही कारण है कि वे उपराष्ट्रपति पद की गरिमा और जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह सक्षम होंगे। भाजपा ने राधाकृष्णन को मैदान में उतारकर विपक्ष के लिए कठिनाई खड़ी कर दी है। उनकी सादगीपूर्ण और निर्दोष छवि के कारण विपक्ष उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने में हिचकेगा। साथ ही, वे किसी विवाद या कट्टरपंथी राजनीति से दूर रहे हैं, जिससे उनकी स्वीकार्यता सर्वदलीय स्तर पर अधिक है। वे न केवल चुनावी राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे हैं। इससे भाजपा की यह छवि और प्रखर होगी कि वह स्वच्छ और ईमानदार नेतृत्व को प्राथमिकता देती है। राधाकृष्णन क्यों सफल उपराष्ट्रपति साबित होंगे, इस प्रश्न का उत्तर निम्न पंक्तियों में समाया है कि वे पक्षपात से दूर और सर्वदलीय संवाद को बढ़ावा देने वाले विरल व्यक्तित्व माने जाते हैं। भाजपा संगठन में लंबे अनुभव के कारण वे राजनीतिक नब्ज को भली-भांति समझते हैं। इससे जनता और सभी दलों में उनकी विश्वसनीयता बनी रहेगी। दक्षिण भारत का केन्द्र में समुचित प्रतिनिधित्व होने से वे राष्ट्रीय राजनीति में समावेशिता का चेहरा बनेंगे। **यह निजी विचार है।**

सीमा विवाद सुलझाना कठिन

हरिशंकर व्यास

वैसे तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के शुरू में ही दुनिया भर के देशों के खिलाफ जैसे को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया था। उसके बाद 22 अप्रैल को पहलगाम कांड हुआ और फिर छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसका सीजफायर 10 मई की शाम को हुआ। इससे पहले तक राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ की लड़ाई सामान्य रूप से दुनिया के तमाम देशों के खिलाफ थी। वे दुनिया के तमाम देशों पर उसी तरह के टैरिफ लगाना चाहते थे, जिस तरह के टैरिफ उन देशों में अमेरिकी उत्पादों पर लगता था। उनके निशाने पर एक सौ देश थे और उनकी बंदूक भारत की ओर नहीं घूमी थी। उन्होंने अप्रैल में टैरिफ बढ़ाने की घोषणा करके उसे तीन महीने के लिए टाल भी दिया था ताकि इस बीच व्यापार संधि हो सके।

तभी सवाल है कि अप्रैल में ट्रंप की घोषणा के बाद ऐसा क्या बदला, जिससे उनकी बंदूक की नाल भारत की ओर घूम गई और वे लगातार भारत को निशाना बना कर हमला करने लगे? यह ध्यान रखने की बात है कि भारत को लेकर ट्रंप जिस तरह की बातें कर रहे हैं वह ट्रंप जैसे नेता के स्तर से भी सामान्य नहीं हैं। तभी ऐसा लग रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके सीजफायर के बाद स्थितियां बदली हैं। इसमें दो कारण समझ में आते हैं। पहला तो यह कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते होंगे कि उनको सीजफायर का श्रेय मिले, जो भारत नहीं दे रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने ही 10 मई की शाम को सीजफायर की घोषणा की थी। उनको सोशल मीडिया पोस्ट के बाद भारत की ओर से एक 42 सेकेंड की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें सीजफायर की जानकारी दी गई। उसके बाद से ट्रंप 35 बार से ज्यादा कह चुके हैं कि उन्होंने दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों का युद्ध रूकवाया।

उनके बार बार कहने के बावजूद भारत ने उनको युद्ध रूकवाने का श्रेय नहीं दिया और उलटे इस बात का खंडन किया। संभव है कि नोबल पुरस्कार पाने के लिए बेचैन ट्रंप को लग रहा हो कि दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों का युद्ध रूकवाने का श्रेय अगर मिल जाए तो उनको नोबल मिल सकता है। वे एक इंटरव्यू में इस बात पर दुख जता चुके हैं कि उन्होंने इतना बड़ा काम किया लेकिन उनको श्रेय नहीं मिल रहा है।

भारत की मुश्किल यह है कि वह जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान के मसले पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को किसी स्थिति में स्वीकार नहीं कर सकता है। अगर किसी ने मध्यस्थता की भी है तो भारत उसका सार्वजनिक रूप से जिक्र नहीं करेगा। हो सकता है कि ट्रंप इस वजह से नाराज हुए हों। ध्यान रहे उनकी नाराजगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसद में दिए भाषण के बाद ज्यादा बढ़ी है, जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी नेता ने सीजफायर नहीं कराई है। उसके बाद ही 25 फीसदी टैरिफ और रूस के साथ कारोबार की वजह से 25 फीसदी जुर्माने का टैरिफ यानी कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा। इसके बाद वे बहुत कुछ और होने की बात भी कर रहे हैं। उन्होंने व्यापार संधि पर भी वार्ता रोकने और पहले टैरिफ का मामला सुलझाने की बात कही है।

सीजफायर का श्रेय नहीं मिलने के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की वजह से दूसरी चीज बदली है वह भारत के प्रति वैश्विक धारणा है। पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के बाद दोनों के देशों के बीच शुरू हुए संघर्ष में भारत की सैन्य ताकत और उसके प्रति दुनिया के देशों का कूटनीतिक रवैया जाहिर हो गया है। भारत भले स्वीकार नहीं कर रहा है और पेंसिल टूटने की बात कर रहा है लेकिन कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सामरिक विशेषज्ञों ने भारत के लड़ाकू विमानों के नुकसान की बात कही है। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि भारत के पांच विमान गिरे।

भारत के सैन्य अधिकारियों ने माना है कि चीन ने पाकिस्तान के जरिए भारत के खिलाफ अपने हथियारों का परीक्षण किया। दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ तो वह भी बिना शर्त था, जिसकी वजह से पाकिस्तान को जीत का जश्न मनाने का मौका मिला। सोचें, भारत कह रहा है कि पाकिस्तान ने घुटने टेके और गिड़गिड़ाया तब सीजफायर हुआ। अगर ऐसी स्थिति थी तो भारत ने पाकिस्तान के सामने शर्तें क्यों नहीं रखीं? और कुछ नहीं तो पहलगाम कांड को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की मांग ही जा सकती थी!

यह सभी सामरिक जानकारों की राय है कि भारत को अभी हमला जारी रखना चाहिए था, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमता की पोल खुल जाती और पाकिस्तानी जनता के सामने उसका सैन्य नेतृत्व एक्सपोज हो जाता। इसका भारत को लंबे समय में लाभ मिलता। लेकिन भारत ने अचानक हमला रोक दिया, जिससे यह संदेश बना कि पाकिस्तान भी एक बड़ा मिलिट्री पावर वाला देश है। इससे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को हीरो बनने का मौका मिला।

बाद में पता चला कि पाकिस्तान की सेना ने भारत द्वारा नष्ट किए गए तमाम आतंकवादी ठिकानों को फिर से नया बनवा दिया। ऑपरेशन सिंदूर की वजह से भारत की सैन्य ताकत पाकिस्तान की बराबरी में आ गई और उसके बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत के प्रति कोई बहुत सद्भाव देखने को नहीं मिला। युद्ध में दो देशों चीन और तुर्किए ने खुल कर पाकिस्तान का साथ दिया, जबकि भारत को जुबानी समर्थन सिर्फ इजराइल का मिला। दुनिया भर के देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ने की जरुरत बताई और पहलगाम कांड पर दुख जताया लेकिन किसी ने भारत की सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं किया।

सो, संभव है कि भारत की सैन्य और कूटनीतिक ताकत एक्सपोज होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप को लगा हो कि वे भारत पर दबाव बना सकते हैं और अपने हिसाब से व्यापार संधि करा सकते हों। जो हो इसमें कोई संदेह नहीं दिख रहा है कि सब कुछ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला। भारत ने बिना सोचे समझे और पाकिस्तान की तैयारियों का आकलन किए बगैर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसकी वजह से सैन्य कार्रवाई शुरू होने के तुरंत बाद भारत को नुकसान हो जाने की खबर आई। यह भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने भी माना कि भारत को नुकसान हुआ और उसके बाद रणनीति पर फिर विचार करके नौ मई की रात को हमला शुरू हुआ। लेकिन भारत उस हमले को भी जारी नहीं रख सका।

बाद में जकार्ता में भारत के डिफेंस अताशे कैप्टेन शिवकुमार ने कहा कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व सोच रहा था कि आतंकवादी ठिकानों पर हमला करेंगे तो पाकिस्तान की सेना जवाबी हमला नहीं करेगी। इस वजह से सेना को निर्देश था कि पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करना है। इस राजनीतिक फैसले की वजह से भारतीय सेना को नुकसान होने की खबर है। ट्रंप को पता चल गया है कि भारत की सैन्य क्षमता क्या है और कूटनीतिक पहुंच कहां तक है। उनको यह भी पता है कि चीन के साथ भारत एक सीमा से ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकता है क्योंकि दोनों के बीच भू राजनीतिक मसले बहुत उलझे हुए हैं और सीमा विवाद सुलझाना कठिन है। हो सकता है कि इसलिए उन्होंने अत्यधिक दबाव की कूटनीति शुरू की ताकि भारत के साथ मनमाफिक समझौता हो सके। ***यह निजी विचार है।***

खोखला पाश्चात्य दर्शन बनाम सनातनी संस्कृति-संस्कार ।

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंद्य विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके। **यह निजी विचार है।**

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में पूसा, दिल्ली में

'कर्मचारी संकल्प सम्मेलन'का वृहद आयोजन

कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्रालय के कर्मचारी-अधिकारी हुए शामिल

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में आज नई दिल्ली, पूसा स्थित सी. सुब्रहमण्यम हॉल में 'कर्मचारी संकल्प सम्मेलन'का वृहद आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी सहित कृषि मंत्रालय के सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव श्री शैलेश कुमार सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट सहित दोनों मंत्रालय के कर्मचारी-अधिकारी शामिल रहें।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कर्मचारी-अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में हरेक दिन, हर क्षण अहम हैं, जनता की जिंदगी को बेहतर बनाने में सभी अपना योगदान दें। हमारा काम राष्ट्र निर्माण का है, एकजुट होकर टीम भावना से काम करने से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इस सम्मेलन को 'कर्मयोगी संकल्प सम्मेलन'का नाम दिया जाए, तो यह प्रसन्नता का विषय होगा। उन्होंने कहा कि कार्यालय में प्रत्येक भूमिका निभाने वाले कर्मचारी-अधिकारी महत्वपूर्ण हैं। मैं हर किसी की मानवीय गरिमा का सम्मान करता हूं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग, आईसीएआर और ग्रामीण विकास मंत्रालय की देश के विकास में अहम भूमिका है। खरीफ फसल के लिए हुए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान'को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि इस अभियान ने कृषि क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इतने बड़े स्तर पर ऐसा अभियान पहले कभी नहीं हुआ है। वैज्ञानिकों की 2,170 टीमों ने गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद किया। 500 से अधिक शोध के विषय इस अभियान के माध्यम से उभर कर सामने आए। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि आज अन्न के भंडार देश में भरे हुए हैं, लेकिन कुछ चुनौतियां भी हैं दलहन, तिलहन, कपास के उत्पादन में वृद्धि और प्राकृतिक खेती की दिशा में हमें और मजबूती से कदम बढ़ाना होगा। इसमें आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर कृषि का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। आशा है कि साझा प्रयासों से कृषि और अधिक उन्नति की ओर अग्रसर होगी।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के लिए दस प्रतिशत सकल बजटीय सहायता

पीआईबी। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा गैर-छूट प्राप्त मंत्रालयों/विभागों/संगठनों (एमडीओ) द्वारा केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के दस प्रतिशत सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) व्यवस्था के अंतर्गत व्यय की निगरानी की जाती है। व्यय विभाग के 5 मई 2017 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए निर्धारित दस प्रतिशत सकल बजटीय सहायता के उपयोग का आकलन करने के लिए सभी गैर-छूट प्राप्त मंत्रालयों/विभागों के साथ नियमित रूप से तिमाही समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। दस प्रतिशत सकल बजटीय सहायता व्यवस्था के अंतर्गत व्यय की निगरानी पोर्टल में सभी गैर-छूट प्राप्त मंत्रालयों/विभागों/संगठनों द्वारा डेटा प्रविष्टि और व्यय शामिल हैं। यह तिमाही समीक्षा बैठकों के दौरान व्यय की समय पर और उचित समीक्षा करने में मदद करता है। वर्ष 2014-15 के दौरान गुणात्मक व्यय 24,819.18 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 1,02,749.00 करोड़ रुपये था। पिछले 11 वर्षों में यानी वर्ष 2014-15 से वर्ष 2024-25 तक 6.11 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस व्यय से सतत संपत्ति का सृजन हुआ है जिससे रेल, सड़क और हवाई संपर्क बढ़ा है और स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और बिजली जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में '24वें दरबारी सेठ स्मारक व्याख्यान' में भाग लिया।

हनोई, वियतनाम में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और वियतनाम तटरक्षक बल (वीसीजी) के बीच छठी उच्च स्तरीय बैठक (एचएलएम)।

ट्राई ने कोटा शहर और बांदीकुई-भरतपुर-कोटा रेल मार्ग (राजस्थान) पर मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

पीआईबी

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए जुलाई 2025 में कोटा शहर और बांदीकुई-भरतपुर-कोटा रेल मार्ग (राजस्थान लाइसेंस सर्विस एरिया में) पर अपने क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा आयोजित इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के निष्कर्ष जारी किए हैं।

आईडीटी के सिग्नल आकलन - शहरी क्षेत्रों, हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों आदि में सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के वास्तविक मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन के आकलन के लिए डिज़ाइन किए गए थे। इस प्रकार के ड्राइव परीक्षण में, 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के सिम कार्ड का उपयोग कर लाइव डेटा और वॉयस टेस्ट किया जाता है। इसमें कई उन्नत हैंडसेट के उपयोग से जांच की जाती है और उन्नत सॉफ़्टवेयर प्रणाली का इस्तेमाल कर वास्तविक समय में सत्र निगरानी और विश्लेषण किया जाता है। ड्राइव परीक्षण के दौरान एकत्रित डेटा का विशेष उपकरणों के उपयोग से विश्लेषण किया जाता है, और इस आधार पर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाती है। ट्राई ने अपनी निर्धारित एजेंसी के माध्यम से राजस्थान लाइसेंस सर्विस एरिया में 01-07-2025 से 05-07-2025 के दौरान 310.5 किलोमीटर में व्याप्त शहर के 10 हॉटस्पॉट, कोटा शहर में 1.1 किलोमीटर पैदल परीक्षण और बांदीकुई से भरतपुर होते हुए कोटा तक 386.6 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग पर विस्तृत ड्राइव टेस्ट किए।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान अंतर्गत विकास खण्ड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता संपन्न

लोकशक्ति

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बैकुंठपुर श्री देवेश जायसवाल खण्ड स्त्रोत समन्वयक श्री निलेश शुक्ला जी के निर्देशानुसार एवं नोडल अधिकारी श्री धर्मेन्द्र सिंह एपीओ श्री बृजराज गिरी जी के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर के आडिटोरियम हाल मेंआयोजित की गई। क्विज प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री देवेश जायसवाल ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम मे उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान/गणित एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान

कार्यक्रम की ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में माध्यमिक स्तर के 3 बच्चों हाई/हायर सेकेण्डरी स्तर के 3 बच्चों ने बाजी मारी जिसमें विकासखंड खण्ड के कु. निकी शाउमावि कोरिया कालरी ने *प्रथम* ,कु. जुगुन शाउमावि भखार *द्वितीय* ,कु. अंजली प्रधान शाउमावि कटकोना *तृतीय* स्थान प्राप्त किया । माध्यमिक स्तर में कु.आसू बंजारे शासकीय माध्यमिक शाला कन्या बैकुंठपुर *प्रथम* ,जतिन कुमार शासकीय माध्यमिक शाला सरडी *द्वितीय* एवं कु मनीषा विश्वकर्मा शासकीय माध्यमिक शाला बिशुनपुर ने *तृतीय* स्थान प्राप्त जिला स्तरीय क्विज के लिए स्थान बनाया।

इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह ,एपीओ बृजराज गिरी,निर्णायक मण्डल में श्री ए के गुप्ता प्राचार्य शा.उ.मा.वि कन्या बैकुण्ठपुर,पुष्पा सिंह व्याख्याता शा.उ.मा.वि कन्या बैकुण्ठपुर, श्वेता यादव व्याख्याता शा.उ.मा.वि मनसुख,रितु टी वर्मा व्याख्याता , शा.उ.मा.वि रनई एवं कार्यक्रम संचालन में विशेष सहयोग श्री सुरेंद्र कुमार राजवाड़े सेजेस महलपारा एवं संजय यादव जी का रहा। इस अवसर पर प्रभारी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

पीएलआई योजना से असाध्य रोगों के उपचार की लागत करोड़ों से घटकर लाखों में आई

सरकार नई अनुसंधान और नवाचार योजना के अंतर्गत असाध्य रोगों और विशिष्ट दवाओं को प्राथमिकता देगी

पीआईबी

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल ने कल पिक्की सभागार में असाध्य रोग सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह सम्मेलन ÷विशेष देखभाल को संभव बनानाः उपलब्धता, सुगम्यता, जागरूकता÷ विषय पर आयोजित किया गया था।

श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने एक ऐसे विशेष विषय के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया है जिस पर लम्बे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि असाध्य बीमारियां व्यक्तिगत रूप से असाध्य लग सकती हैं, लेकिन सामूहिक रूप से ये लगभग हर बीस में से एक व्यक्ति को प्रभावित करती हैं अर्थात जनसंख्या का लगभग 5 प्रतिशत और यह इन रोगों को एक प्रमुख जन स्वास्थ्य चिंता का कारण बनाता है। उन्होंने कहा कि असाध्य बीमारियों की चुनौती को मानवीय दृष्टिकोण और समावेशन के प्रश्न के रूप में देखा जाना चाहिए न कि केवल एक चिकित्सा या तकनीकी समस्या के रूप में।

दिव्यांगजनों के प्रति प्रधानमंत्री के समावेशी दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए श्री अग्रवाल ने सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत एवं नागरिक समाज से रोगियों और देखभाल कार्मिकों के समक्ष आने वाले बहुआयामी बोझ को कम करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन का उल्लेख करते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि हमें दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाना जाता है और वर्तमान में अनुसंधान एवं विकास में निवेश करना समय की मांग है। इसके साथ-साथ हमें मानवता के कल्याण के लिए सर्वोत्तम और सबसे सस्ती दवाइयां भी उपलब्ध करानी चाहिए।

महत्वपूर्ण नीतिगत उपायों की जानकारी देते हुए श्री अमित अग्रवाल ने बताया कि फार्मास्यूटिकल्स के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत असाध्य रोगों को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। परिणामस्वरूप असाध्य रोगों के लिए आठ दवाओं को समर्थन दिया गया है, जिनमें गौचर रोग के लिए एलिग्लस्टैट भी शामिल है, जिसके उपचार की लागत सालाना 1.8-3.6 करोड़ रुपये से घटकर 3-6 लाख रुपये हो गई है। अन्य समर्थित उपचारों में विल्सन रोग के लिए ट्राइएंटाइन, टायरोसिनेमिया टाइप 1 के लिए निटिसिनोन और लेनोक्स-गैस्टॉट सिंड्रोम के लिए कैनाबिडियोल आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उपचार लागत में इस तरह की महत्वपूर्ण कमी लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाती है। श्री अग्रवाल ने कॉर्पोरेट जगत को अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों और रोगी सहायता कार्यक्रमों में असाध्य रोगों से ग्रस्त रोगियों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी वित्तीय और भावनात्मक बोझ पड़ता है। उन्होंने सभी हितधारकों से अपनी नीतियों, विनियमों, वित्तपोषण मॉडलों और कार्यक्रमों के डिज़ाइन का मूल्यांकन समावेशिता के दृष्टिकोण से करने का आग्रह किया। उन्होंने असाध्य रोग ग्रस्त समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष उपायों या नियामक छूटों के विकल्प तलाशने का सुझाव दिया।

श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि वे दिन भर के विचार-विमर्श से प्राप्त सिफारिशों और नीतिगत अंतर्दृष्टि की प्रतीक्षा कर रहे हैं तथा उन्होंने असाध्य बीमारियों के लिए भारत के नीतिगत ढांचे को मजबूत करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों से सीखने में गहरी रुचि व्यक्त की।

सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को मुआवज़ा सुनिश्चित करने और भ्रामक विज्ञापन बंद करने का निर्देश दिया

पीआईबी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक और कार्रवाई करते हुए रैपिडो (रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) को भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए 10,00,000 रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया है।

इसके अलावा, प्राधिकरण ने ऑनलाइन राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि ÷5 मिनट में ऑटो या 50 रुपये प्राप्त करें÷ ऑफ़र वाली योजना में शामिल सभी उपभोक्ताओं को वायदे के मुताबिक अगर 50 रुपये मुआवजा नहीं मिला है, तो उन्हें बिना किसी देरी या शर्त के पूरी राशि वापस की जाए। सीसीपीए ने रैपिडो के उन भ्रामक विज्ञापनों का संज्ञान लिया जिनमें उपभोक्ताओं को ÷5 मिनट में ऑटो या 50 रुपये पाएं÷ और ÷गारंटीड ऑटो÷ का वादा किया गया था। विस्तृत जांच के बाद, सीसीपीए ने इन विज्ञापनों को झूठा, भ्रामक और उपभोक्ताओं के प्रति अनुचित पाया और इन भ्रामक विज्ञापनों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के आंकड़ों से पता चला: अप्रैल 2023 और मई 2024 के बीच रैपिडो के खिलाफ 575 शिकायतें।

जून 2024 और जुलाई 2025 के बीच 1,224 शिकायतें। सीसीपीए की जांच में पाया गया कि रैपिडो के विज्ञापनों में ÷नियम व शर्तें लागू÷ वाला अस्वीकरण बेहद छोटे और अपठनीय फ़ॉन्ट में प्रदर्शित किया गया था। वादा किया गया 50 रुपये का लाभ वास्तविक मुद्रा (रुपये में) नहीं बल्कि ÷रैपिडो सिक्के÷ थे और तब भी, लाभ ÷50 रुपये तक÷ था पर यह हमेशा 50 रुपये नहीं होता था। इन सिक्कों को केवल रैपिडो बाइक राइड के बदले ही भुनाया जा सकता था और इनकी वैधता केवल 7 दिनों की थी। इस तरह के प्रतिबंधों ने ऑफ़र के मूल्य को कम कर दिया और उपभोक्ताओं को अनुचित रूप से कम समय के भीतर रैपिडो की दूसरी सेवा का उपयोग करने के लिए प्रभावी रूप से मजबूर किया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

खोखरा में खुलेआम चल रहा झोलाछाप डॉक्टर का धंधा

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी बने हुए हैं मूकदर्शक

लोकशक्ति

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर के समीपस्थ ग्राम खोखरा में राम मंदिर के पास एक झोलाछाप डॉक्टर का धंधा खुलेआम चल रहा है और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित झोलाछाप डॉक्टर लंबे समय से अपने क्लीनिक में ग्राम सहित आसपास के कई ग्रामों के विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों का इलाज कर रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, यह झोलाछाप डॉक्टर अने क्लीनिक में इंजेक्शन लगाने, ग्लूकोज चढ़ाने और छोटे-मोटे ऑपरेशन तक कर देता है। ग्रामीणों की मानें तो कई लोग ठीक होने की बजाय और बीमार हो गए हैं। बावजूद इसके, आसपास के ग्रामों के मरीज मजबूरी में उसी के पास इलाज कराने जाते हैं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी

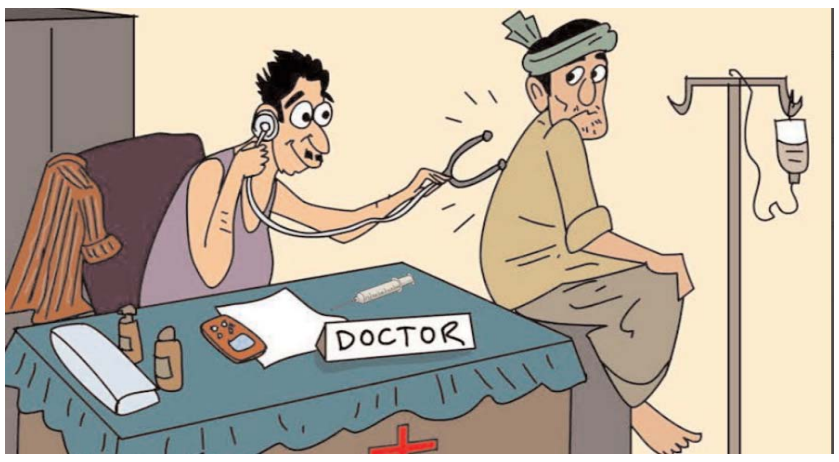

शिकायतों के बाद भी संबंधित झोलाछाप डॉक्टर के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

जिम्मेदार अफसरों से तगड़ी सेटिंग

ग्राम खोखरा सहित आसपास के गांवों के लोगों का कहना है कि खोखरा गांव में राम मंदिर के पास संचालित अवैध क्लीनिक के संचालक यानी झोलाछाप डॉक्टर की स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से तगड़ी सेटिंग है। इसी कारण अधिकारी उनके विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। इधर, गांव सहित आसपास के इलाके में एमबीबीएस डॉक्टर की अनुपलब्धता के कारण क्षेत्र के लोग मजबूरी में उसी झोलाछाप डॉक्टर पर निर्भर हैं।

खुलेआम लोगों की सेहत से खिलवाड

झोलाछाप डॉक्टर जिले में खुलेआम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। कई होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक डिग्रीधारी डॉक्टर एलोपैथी की दवाएं लिखकर इलाज कर रहे हैं, जबकि कई ऐसे फर्जी चिकित्सक भी हैं जिनकी क्लीनिक में न नाम-पट्टिका है, न ही पंजीयन। खास बात यह है कि इन झोलाछापों को दवा दुकानदारों और नर्सिंग होम संचालकों का पूरा सहयोग मिलता है। यही कारण है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इनका नेटवर्क तेजी से फैल रहा है।

सामने आ चुके हैं मौत के कई मामले

जिले में झोलाछाप डॉक्टर द्वारा मरीजों से साधारण बीमारी के इलाज, दवा और जांच के नाम पर मोटी रकम ऐंठी जाती है। जबकि, गलत दवा और खुराक से कई मरीजों की हालत तक बिगड़ी है और गंभीर स्थिति में उन्हें बड़े अस्पतालों तक में भर्ती करना पड़ा है। झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से जिले में मौत के कई मामले भी सामने आ चुके हैं।

जांच कराकर की जाएगी कार्यवाही

ग्राम खोखरा में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित होने के मामले की जांच कराकर आगे की कार्यवाही की जाएगी। यदि वहां नियम विरूद्ध क्लीनिक संचालित हो रहा है तो अवैध क्लीनिक संचालक को बख्शा नहीं जाएगा।

-डॉ. एनके साहू, बीएमओ, नवागढ़

विकास के नाम पर भाजपा सरकार ने केवल बिजली के दाम की बढ़ोतरी : राम साहू

राजनांदगांव । अघोषित बिजली कटौती को लेकर सवाल उठाते हुए जिला कांग्रेस कमेटी संयुक्त महामंत्री राम साहू ने कहा है कि सरप्लस बिजली वाले छत्तीसगढ़ में भाजपा के 20 महीने के कुशासन में ही 8-8 घंटे बिजली कटौती होने लगी है। एक तरफ खंड वर्षा से मैदानी क्षेत्रों के पानी की कमी के चलते खेती में दरारें पड़ रही है, बिजली कटौती के कारण किसान पंप से भी सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, कई जिलों में किसान बांध से पानी छोड़ने की मांग को लेकर लगातार आंदोलित हैं, खरीफकी फसल बर्बाद होने की कगार पर है, लेकिन किसान विरोधी भाजपा सरकार अभी तक जाग नहीं रही है।

कलेक्टर ने किया तहसील कार्यालय पामगढ़ शिवरीनारायण का औचक निरीक्षण

पेशी की डेट बार-बार ना बढ़ाएं, राजस्व प्रकरणों का समय पर निराकरण अनिवार्य - कलेक्टर

लोकशक्ति

लेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज पामगढ़ एवं शिवरीनारायण तहसील कार्यालय, उप पंजीयक कार्यालय, स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील एवं एसडीएम कार्यालय में नामांतरण, अविवादित व विवादित बंटवारे, अभिलेख दुरूस्ती, त्रुटि सुधार, सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण की पेशी की तिथि अनावश्यक रूप से बार-बार न बढ़ाई जाए। कलेक्टर ने समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण प्राथमिकता में किया जाए और इसके लिए कैम्प कोर्ट लगाकर मामलों का

निपटारा सुनिश्चित करें। साथ ही त्रुटि सुधार संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण त्रुटि सुधार मॉड्युल के माध्यम से मौके पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रकरणों को ई-कोर्ट में दर्ज किया जाए, जिससे उनकी मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग आसान हो सके। साथ ही रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण और त्रुटि सुधार के मामलों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। कलेक्टर ने कहा कि यदि त्रुटिसुधार के प्रकरण में फील्ड के कर्मचारियों द्वारा जानबूझ के त्रुटि की गई है तो संबंधितों को नोटिस जारी कर अनुशासत्मक कार्रवाई करे। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में आने वाले आवेदकों से बातचीत की और उनकी शिकायतो को सुना। इस अवसर पर एसडीएम जांजगीर श्री सुब्रत प्रधान, एसडीएम पामगढ़ श्री देवेन्द्र चौधरी सहित तहसीलदार, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ग्राम मेंहदी में खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्य का किया निरीक्षण -

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने ग्राम मेंहदी में खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्य का किया निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्यों का सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं कुशलतापूर्वक करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु निर्धारित तिथि तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल सर्वे से किसानों को बेहतर सुविधा और योजनाओं का लाभ मिलेगा, डिजीटल सर्वे का कार्य को त्रुटिरहित समय पर पूर्ण करने कहा।

धारदार हथियार के साथ दो आरोपी चढ़े चांपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा

धारदार हथियार के साथ दो आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पकड़े गए दोनो आरोपी चांपा निवासी हैं जिनमें शंकर दास महंत उर्फ बिल्ला पिता संतोष दास महंत 26 वर्ष निवासी शंकर नगर चांपा , रोहन चौहान पिता तीरथराम चौहान 19 वर्ष निवासी तिलक नगर तालाब मारा चांपा शामिल है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ने आगामी त्योहारों के मद्देनज़र क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में थाना चाँपा से एक पुलिस टीम थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग हेतु रवाना किया गया था । दौरान पेट्रोलिंग पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना पर अलग-अलग स्थानों जिसमें बेलदारपारा तथा तालाब पारा तिलक नगर से 2 अलग अलग व्यक्तियों को धारदार हथियार के साथ पकड़ा गया । दोनों आरोपियों से धारदार हथियार ज़ब्त किया गया तथा दोनों आरोपियों के विरुद्ध 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई किया जाकर विधिवत गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, सहायक उपनिरीक्षक अरुण सिंह,ज्ञान प्रकाश खाखा , आरक्षक शंकर राजपूत, मुद्रिका दुबे, संजय साहू, विरेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर ने उप पंजीयक कार्यालय व स्कूल का किया निरीक्षण

बच्चों से पूछे सवाल, मध्यान्ह भोजन में हरी सब्जी देने के निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शासकीय प्राथमिक मेहंदी पहुंचकर शिक्षकों से बच्चों को पढ़ाए जा रहे विषयों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं से विभिन्न विषयों के संबंध में जानकारी ली और गणित एवं भाषा संबंधी विभिन्न प्रश्न करते हुए विद्यार्थियों से जवाब लिए। उन्होंने सही जवाब देने पर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने उपस्थित शिक्षिका को बच्चों को गणित विषय के प्रश्नों का अधिक से अधिक अभ्यास कराने के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो और उसमें हरी सब्जियों शामिल करने कहा। उन्होंने स्कूल परिसर में मुनंगा का पौधा लगाने एवं किचन गार्डन बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा और

पोषण दोनों बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने उप पंजीयक कार्यालय पामगढ़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन रजिस्ट्री की संख्या, नागरिकों का मिलने वाली सुविधाएं एवं ऑनलाइन नामांतरण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम पामगढ़ श्री देवेन्द्र चौधरी, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एक साल से अपहृत नाबालिग बालिका बरामद

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर चांपा / एक साल से अपहृत नाबालिग बालिका को सारागांव पुलिस ने बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि नाबालिक बालिका को

किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिनांक 21 जुलाई 2024 को रात्रि में बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने की सूचना रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में अज्ञात आरोपी एवं अपहृता बालिका की थाना सारागांव पुलिस द्वारा लगातार पातासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में मुखबिर सूचना पर आरोपी भूपेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के कब्जे से नाबालिक बालिका को बरामद किया जाकर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर नाबालिक बालिका को शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर कर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार करने से आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक सुभाष चौबे थाना प्रभारी सारागांव, सउनि कृष्ण कुमार कोशले थाना स्टाफ सारागांव का सराहनीय योगदान रहा।

जिले के ट्रांसपोटरों का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार ने ली मीटिंग

जांजगीर चांपा / आज दिनांक 21अगस्त को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार द्वारा यातायात शाखा परिसर में जिले के ट्रांसपोर्टरों का मीटिंग आहूत की गई। गणेश उत्सव के दौरान यातायात हेतु मार्ग को बाधित नहीं करने के संबंध में हिदायत दी गई। शराब सेवन कर वाहन चलाने एवं माल वाहक गाड़ियों में यात्री परिवहन को हतोत्साहित करने हेतु समझाया गया। गाड़ियों में डीजे/लाउड स्पीकर नहीं लगाने के संबंध में चर्चा किया गया। नियमों का पालन नहीं करने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई करते हुए कोलाहल अधिनियम के तहत गाड़ियों को राजसात करने की कार्रवाई की जाएगी। उपरोक्त मीटिंग में जिले के 35 ट्रांसपोर्टर शामिल हुए।

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों की तृतीय प्रतीक्षा सूची जारी

काउंसलिंग 29 व 30 अगस्त को

जांजगीर चांपा / प्रयास आवासीय विद्यालयों के सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का वर्गवार प्रतीक्षा सूची विभाग की वेबसाइट http-sÑ//eklavya.cg.nic.in पर अपलोड की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार काउंसलिंग की 28 एवं 30 अगस्त 2025 को निर्धारित किया गया है। जिसमें अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीवीटीजी) बालकों, अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीवीटीजी) बालिका, अनुसूचित जाति बालक और बालिका के लिए काउंसलिंग 29 अगस्त 2025 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग बालक और बालिका एवं सामान्य वर्ग बालक और बालिका के लिए काउंसलिंग 30 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सड्डू उक्कुरा मार्ग, व्ही.आई.पी. सिटी कालोनी के सामने रायपुर में किया जाएगा।

आवश्यक दस्तावेज - विद्यार्थी निर्धारित काउंसलिंग तिथि को अपना प्रवेश पत्र, सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र, सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, यदि परिवार नक्सल हिंसा से सीधे प्रभावित है तो इस आशय का संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र, शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र या शाला छोड़ने का प्रमाण पत्र, विद्यार्थी की मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी चिकित्सा जांच प्रमाण पत्र, सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र स्वयं का 02 पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो दस्तावेजों के साथ उपस्थित होवें। मेरिट सूची में दर्शित विद्यार्थी के साथ एक अभिभावक, पालक को काउंसलिंग स्थल में प्रवेश की पात्रता होगी। प्रातः 10

आदर्श ग्राम सुरगी में रजत जयंती महोत्सव मनाया गया

जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने बिहान समूह की महिलाओं को किया पुरस्कृत

राजनांदगांव। आदर्श ग्राम पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के गोद ग्राम सुरगी में छत्तीसगढ़ शासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के महिला समूह द्वारा विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए, विभिन्न व्यंजनों के स्वाद को जनप्रतिनिधियों ने चखा और स्वादिष्ट व्यंजन बनाने वाली महिला समूह के बहनों को पुरस्कृत किया गया।

राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने समूह के स्वादिष्ट व्यंजन के लिए बिहान के महिलाओ को पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राजनंदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पप्पू चंद्राकर, जनपद पंचायत सीईओ मनीष साहू,जिला पंचायत सभापति शीला सिन्हा, जिला पंचायत सभापति देवकुमारी साहू, जनपद पंचायत सभापति खुशबू साहू, जनपद सदस्य पुष्पा उइके, जनपद सदस्य मेघराज चंद्राकर,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेश चंद्राकर,जनपद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंघोलिया, पंचायत सचिव जावन्ततीन चंदेल, वृंदावन संकुल के क्षेत्रीय समन्वयक शशि कला साहू, पीआर रोशनी कसारे, अध्यक्ष नीतू चंद्राकर एवं समस्त 29 गांव के बिहान समूह की दीदियो उपस्थित रही समूह के महिलाओं द्वारा छत्तीसगढ़ के अलग-अलग व्यंजन बनाएं गए जिसका प्रतियोगिता रखा गया था जिसमें अतिथियों द्वारा सम्मानित किए गए जिसमें तिलोचना मलपुरी प्रथम, गंगा यादव भोड़िया द्वितीय, टिकेश्वरी सिंघोला तृतीय, नीतू चंद्राकर चतुर्थ,अन्नू भर्रेगांव पंचम, अर्चना यादव सुरगी छटवा, लोकेश्वरी मुड़पार सातवां स्थान पर रही।

खास खबर

श्रमिक नेता और पूर्व बालको अधिकारी बालेश्वर झा नहीं रहे

कोरबा भारत अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के सेवानिवृत अधिकारी और विख्यात श्रमिक नेता बालेश्वर झा पिता स्व. मूरत लाल झा का सोमवार 18 अगस्त 2025 को मेदांता हॉस्पिटल पटना बिहार में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। मूलतः बिहार के मुजफ्फरपुर जिला के ग्राम पड़ेयां बथना पोस्ट गरहुंआ निवासी बालेश्वर झा वर्ष 2003 में सेवानिवृत हुए थे। वे छत्तीसगढ़ एवं अविभाजित मध्य प्रदेश रा%य में प्रमुख श्रमिक संगठन इंटक में लंबे समय तक अनेक वरिष्ठ पदों पर पदस्थ रहे। वह अपने पीछे पत्नी हीरामणि झा, दो पुत्र अरविंद कुमार व आलोक झा समेत पुत्री जयंती मिश्रा को छोड़ गए।

कोरबा जिले में पर्पल फेयर का भव्य आयोजन - दिव्यांगजन के लिए दिव्यांगजन द्वारा

कोरबा। दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण समिति, समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सी.आर.सी.), ठाकुरटोला राजनांदगांव द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से ÷पर्पल फेयर÷ का आयोजन दिनांक 23 अगस्त शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से किया जा रहा है। यह आयोजन सीनियर क्लब सी.एस.ई.बी. फुटबॉल मैदान कोरबा में संपन्न होगा।

इस मेले का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को अपने कौशल एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने, कौशल विकास के अवसर प्राप्त करने तथा विभिन्न हितधारकों से जुड़ने का एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, ताकि सामाजिक समावेशिता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके।

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियाँ - दिव्यांगजनों के लिए रोजगार मेला, सहायक उपकरणों का वितरण,सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी, दिव्यांग कला गैलरी, प्रतिभा प्रदर्शन हेतु खुला मंच, संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी, भोजन स्टॉल, सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम, आकर्षक पुरस्कार, अन्य कई गतिविधियाँ - दिव्यांगों के लिए, दिव्यांगों द्वारा

आमजनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें, शिकायतों का त्वरित निराकरण कराएं तथा निगम के विकास कार्यो में गति लाएं-उद्योग मंत्री

संवाददाता

कोरबा)। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे आमजनता की समस्याओं के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों का शीघ्र निराकरण कराएं तथा जनता की अपेक्षाओं, उनकी मांगों व आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें। उन्होने कहा कि वार्ड, बस्ती व शहर के विकास कार्यो में आवश्यक तेजी लाएं, निर्माण कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, समयसीमा में कार्यो को पूरा करें एवं जिन कार्यो की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ कराएं। उन्होने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं।

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने जिला पंचायत कोरबा के सभागार में नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर वार्ड, बस्ती व शहर के विकास कार्यो की कार्य प्रगति, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन व प्राप्त परिणामों तथा आमजनता की समस्याओं से जुड़े विषयों व उनके निराकरण संबंधी कार्यो की कार्यप्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन भी उपस्थित थे। निगम आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के विकास कार्यो, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति एवं निगम से जुड़े विभिन्न कार्यो की वर्तमान कार्यप्रगति की बिन्दुवार जानकारी बैठक में प्रस्तुत की तथा निगम द्वारा किए जा रहे विकास व निर्माण कार्यो की मदवार व जोनवार जानकारी उद्योग मंत्री श्री देवांगन को दी। बैठक के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, 15वे वित्त आयोग मद, प्रभारी मंत्री मद, विधायक मद, मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद, राजस्व व आपदा प्रबंधन मद, निगम मद, एन.सी.ए.पी. मद सहित अन्य विभिन्न मदो के अंतर्गत प्रस्तावित, स्वीकृत व प्रगतिरत निर्माण कार्यो की जोनवार जानकारी लेते हुए कार्यो की वर्तमान प्रगति की सघन रूप से समीक्षा की। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियो को निर्देश देते हुए कहा कि प्रगतिरत निर्माण कार्यो में आवश्यक तेजी लाएं, कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष नजर रखें एवं समयसीमा में कार्यो को पूरा कराएं। उन्होने कहा कि जो कार्य स्वीकृत हैं, उनकी निविदा आदि की प्रक्रिया में तेजी लाएं एवं जिन कार्यो की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, उन कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराएं।

महिला की मौत सर्पदंश से नहीं, गला दबाकर की गई थी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा जिले के थाना बालकोनगर में एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में पता चला कि महिला की मौत सांप काटने से नहीं, बल्कि गला दबाने से हुई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सौरभ यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का विवरण-थाना बालकोनगर में 22 जुलाई 2024 को मर्ग क्रमांक 91ध्2024 धारा 194 ठछै में मृतिका शांति चैहान पति संजय चैहान उम्र 32 वर्ष निवासी नेपालीपारा चेकपोस्ट बालकोनगर की मृत्यु सर्पदंश से होना बता कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। लेकिन जांच में पता चला कि मृतिका की मृत्यु गला दबाने से दम घुटने के कारण हुई थी।

पुलिस जांच और कार्रवाई-पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के दिशा-निर्देश प्राप्त कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्ग दर्शन में थाना बालकोनगर पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की गई। जांच में पता चला कि घटना की रात मृतिका अपने परिचित सौरभ यादव के साथ थी और अगले दिन सुबह मृत अवस्था में पाई गई। सौरभ यादव घटना के बाद से फरार हो गया था।

सीएसईबी चौंक : पुलिस चौकी के सामने ही ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है

कोरबा । शहर का सबसे व्यस्त सीएसईबी चैक इन दिनों पार्किंग अड्डा बन चुका है। दोपहिया वाहन जहां-तहां खड़े कर दिए जाते हैं, वहीं बड़े वाहन बीच सड़क रोककर सवारी बैठाने में लगे रहते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि आम लोगों को पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह सब कुछ पुलिस चैकी के ठीक सामने हो रहा है। चैकी पर तैनात पुलिसकर्मी आंख मूंदे बैठे रहते हैं और चैक पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां रोज उड़ती रहती हैं।पूल के समीप ऑटो वालों द्वारा सवारी बैठाने से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

सवाल यह उठता है कि जब पुलिस चैकी के सामने यह हाल है,तो शहर के बाकी हिस्सों में हालात का अंदाजा खुद लगाया जा सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सुबह-शाम चैक से गुजरना किसी सजा से कम नहीं, व्यापारियों और राहगीरों ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि पुलिस अगर वाकई सक्रिय हो तो इस समस्या का समाधान एक दिन में निकल सकता है। सीएसईबी चैक से अंबिकापुर, कटघोरा,बिलासपुर सहित कई क्षेत्रों के लिए बसो के द्वारा लोग आवागमन करते हैं,सुबह की शुरुआत से देर रात तक चैक पर आम लोगों की भीड रहती है, लेकिन सुलभ कंपलेक्स नहीं होने से विशेष कर महिलाओं को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, नगर निगम प्रशासन को इस और ध्यान देना चाहिए। लोगों का कहना है कि पुलिस चैकी का बोर्ड तो वहां जरूर टंगा है, लेकिन जिम्मेदारी कहीं खो गई।

मानगुरु जंगल के भीतर महिला की हत्या, गांव में फैली सनसनी, संदेही दबोचा गया

संवाददाता

कोरबा संवाददाता। जिले के कटघोरा थाना अंतर्गत मानगुरु पहाड़ क्षेत्र के गुरुडुमुड़ा-लालघाट मार्ग में जंगल के भीतर एक महिला की रक्तरंजित औंधे मुंह पड़ी लाश मिलने की खबर से ग्रामीण इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में एक संदेही युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी रखी है। ग्रामीणों में चर्चा है कि अवैध संबंध की परिणति यह हत्याकांड है। जानकारी के मुताबिक कटघोरा पुलिस को सूचना मिली थी कि मानगुरू पहाड़ के जंगली रास्ते में भीतर एक महिला की लाश पड़ी हुई है। सूचना के बाद कटघोरा टीआई निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी, एसआई कोसरिया सहित स्टाफ पुलिस घटना स्थल के लिए रवाना हुए। इसके साथ ही सीन ऑफक्राइम मोबाइल यूनिट कोरबा से वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. राजश्री सिंह, प्रधान आरक्षक हेमंत चैहान और आरक्षक राजेश कुमार चंद्रा भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

पुलिस ने मदद के लिए डॉग स्क्वॉड को भी तलब किया। गांव की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के कच्चे रास्ते से करीब 1 किलोमीटर भीतर जंगल में शव पड़ा मिला।

सूने मकान से बलेनो कार चोरी, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, फरार आरोपी की तलाश जारी

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के आरपी नगर फेस-2 निहारिका में रविवार 17 अगस्त 2025 को कार चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। प्रार्थी वरुण सुद ने पुलिस को सूचना दी कि उनके पड़ोसी सतीश शर्मा (जो 20 दिनों से मद्रास गए हुए हैं) के मकान का मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है और मकान के पोर्च में खड़ी बलेनो कार (क्रमांक सीजी 12 बीजी 5810, कीमत लगभग 8 लाख रुपये) चोरी हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर और नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का को तत्काल अवगत कराया गया।

कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी का नागरिकों ने किया सम्मान, पुलिस की तत्परता से अपराधों में कमी, बढ़ा लोगों का भरोसा

कोरबा (संवाददाता)। कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी को 15 अगस्त को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने में सराहनीय भूमिका निभाने के लिए नगरवासियों द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कानून-व्यवस्था में सुधार

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि थाना प्रभारी डी.एन. तिवारी के नेतृत्व में कटघोरा में अपराध की घटनाओं में कमी आई है। भाजपा के जिला मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि पुलिस की सक्रियता से अपराधियों पर नियंत्रण हुआ है और लोग खुद को ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पुलिस की कार्यशैली पर जनता का विश्वास

तिवारी ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सौंपे गए कार्यों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने विभिन्न टीमों का नेतृत्व कर कई महत्वपूर्ण मामलों को सुलझाया और पुलिस की छवि को बेहतर बनाने में योगदान दिया। इससे आम नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास में इजाफा हुआ है।

सम्मान समारोह में शामिल लोग

सम्मान समारोह में भाजपा जिला मंत्री संजय शर्मा मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, संजीत सिंह, अनुराग दुहलानी, शिव अग्रवाल, गुरमीत सिंह, जय गर्ग, सत्यम जयसवाल, पत्रकार शशिकांत डिक्सेना, आलोक पांडे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीण की अकाल मौत

स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कैम्प नहीं लगाया

कोरबा संवाददाता। जिले की सीमा क्षेत्र एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पाली के दर्री पारा मोहल्ले में एक सप्ताह पूर्व फैली संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीणों की अकाल मौत हो गई। महिला एवं पुरुष-बच्चे लगभग 1 दर्जन लोगों को आनन-फानन में इलाज के लिए पोड़ी उपरोड़ा भेजा गया था, जिन्हें 5 दिन बाद छुट्टी दे दी गई।

हमारे सहयोगी ने घटनास्थल पर पहुंच कर उल्टी-दस्त से पीड़ित ग्रामीण से जानकारी एकत्र कर बताया कि दूरस्थ वनांचल ग्राम पाली दर्री पारा में बीमारी से ग्रसित ग्रामीणों ने बताया कि वहां उल्टी-दस्त का संक्रमण फैलने के पूर्व मौसमी बीमारियों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कैम्प नहीं लगाया था, ना ही विभाग की गाइडलाइन अनुसार दूरस्थ वनांचल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के फील्ड वर्करों ने जरूरी समुचित दवाइयों का वितरण किया था। ग्रामीण जानकारी के अभाव में अपने स्वयं के खर्चे से सीमावर्ती एमसीबी जिले में जाकर इलाज कराना जरूरी समझा।संक्रामक बीमारी के फैलने के दो दिन बाद इस जानलेवा संक्रमित बीमारी से पीड़ित ग्रामीणो ने स्थानीय सरपंच को घटने के बारे में अवगत कराया, तत्पश्चात स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने के बाद विभाग अपने कुंभकर्णी नींद से जागा।

जब टीम हरकत में आई तब तक समय पर इलाज के अभाव में संपत्त सिंह पिता सुखराज सिंह कुसरो 60 वर्ष की अकाल मृत्यु हो गई। देखते ही देखते स्कूली बच्चे एवं महिलाओं को भी उल्टी-दस्त शुरू हो गया जिसमें गनपत सुकरिया बाई 50 वर्ष,राम लाल देवशनिया 60 वर्ष,मान सिंह25 ,नीरा बाई सोहन 16 वर्ष, पार्वती, सावित्री, राजु ,हिरमतिया ज्ञान सिंह 27 वर्ष , काजल रुप सिंह, तिलेश्वर एवं अन्य ग्रामीणों का पोड़ी उपरोड़ा में उपचार चल रहा था कि 5 दिन बाद इतवार पिता बाबू लाल गोड़ की अकाल मृत्यु हो गई।

निहारिका स्थित उजाड़ पड़े फलोद्यान स्थल को किया जाएगा विकसित व सुरक्षित

आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने कोसाबाड़ी जोन के विभिन्न स्थलों का किया दौरा

कोरबा नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत निहारिका सुभाष चैक स्थित उजाड़ पड़े फ्लोद्यान स्थल को विकसित व सुरक्षित किया जाएगा, साथ ही वहॉ पर सुभाष चैक निहारिका घंटाघर क्षेत्र में पार्किंग स्थल फुटपाथ पर अनियंत्रित रूप से लगने वाले फल आदि के ठेलों को विस्थापित व व्यवस्थित किया जाएगा। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने स्थल का निरीक्षण कर उक्त संबंध में तत्काल कार्यवाही करने एवं प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों की टीम के साथ कोसाबाड़ी जोन के विभिन्न स्थलों का दौरा किया, इस दौरान वे सुभाष चैक स्थित फ्लोद्यान पहुंचे। यहॉ उल्लेखनीय है कि फ्लोद्यान स्थल वर्तमान में उजाड़ पड़ा हुआ है तथा वहॉ पर अवैध कब्जा व अतिक्रमण की संभावना बनी रहती है। आयुक्त पाण्डेय ने स्थल निरीक्षण के पश्चात उक्त सम्पूर्ण फ्लोद्यान स्थल को प्रीकास्ट बाउण्ड्रीवाल के माध्यम से सुरक्षित करने एवं स्थल को आवश्यकतानुसार विकसित किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए तथा इस संबंध में शीघ्र आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। यहॉ यह भी उल्लेखनीय है कि सुभाष चैक निहारिका क्षेत्र व घंटाघर क्षेत्र में फुटपाथ व पार्किंग पर अनियंत्रित रूप से फल ठेले आदि लग रहे हैं, जिनके कारण वाहनों को पार्क करने व आवागमन करने में आमजन को असुविधा होती है, यातायात व्यवस्था बिगड़ती है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने फ्लोद्यान स्थल को विकसित कर उक्त क्षेत्र में अनियंत्रित रूप से लगने वाले फल ठेलों को वहॉ पर विस्थापित व व्यवस्थित किए जाने के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वर्किंग वूमेन हास्टल तक होगा सड़क का निर्माण - यहॉ उल्लेखनीय है कि फ्लोद्यान के आगे पूर्व में वर्किंग वूमेन हास्टल का निर्माण कराया गया था, किन्तु मुख्य मार्ग से हास्टल तक जाने के लिए सड़क का अभी अभाव है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने हास्टल तक पहुंचने हेतु सड़क का निर्माण करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी इस मौके पर अधिकारियों को दिए।

स्मृति उद्यान स्थित ओपनजिम उपकरण व झूलों की मरम्मत तत्काल शुरू - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने निहारिका घंटाघर मार्ग स्थित स्मृति उद्यान का निरीक्षण किया। स्मृति उद्यान में प्रातः भ्रमण के लिए आए हुए नागरिकों ने बताया कि उद्यान में स्थापित किए गए ओपनजिम के उपकरण मरम्मत योग्य हैं, उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे, आयुक्त श्री पाण्डेय ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपकरणों की मरम्मत करने के साथ ही उद्यान में लगाए गए बच्चों के झूले व खेलकुद के अन्य उपकरणों की तत्काल मरम्मत कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए, सुखद पहलू यह रहा कि आयुक्त श्री पाण्डेय के वहॉ से निकलते ही उपकरणों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। आयुक्त श्री पाण्डेय ने स्मृति उद्यान में स्थित बंद पड़े फव्वारों को पुनः चालू किए जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी अधिकारियो को दिए।

वीर सावरकर भवन की होगी मरम्मत - आयुक्त श्री पाण्डेय कोसाबाड़ी जोन कार्यालय के आगे स्थित निगम के वीर सावरकर भवन पहुंचे, उन्होने भवन का निरीक्षण किया, वर्तमान में भवन बंद पड़ा हुआ है, उसमें आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य करना जरूरी है ताकि वह उपयोग लायक हो सके। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन की आवश्यक मरम्मत हेतु तत्काल प्रस्ताव तैयार करें तथा मरम्मत व सुधार का कार्य कर भवन के संचालन संधारण की उपयुक्त व्यवस्था हेतु भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

(कोरबा) जिला रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 21 को

कोरबा । जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा में गुरूवार 21 अगस्त को प्लेसमेन्ट केंप का आयोजन किया जा रहा है। । प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से नियोजक श्रमीन टेंलेंट प्रा0लि0 रायपुर, व्दम 97 कम्युनिकेशन लिमि0 (च्लजउ) बिलासपुर, आईसेक्ट पी.एम.के.के. कोसाबाड़ी कोरबा, संजय इंडस्ट्रीज रजगामार रोड कोरबा, टाटा.ए.आई.ए.लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमि. कोरबा, एच.डी.एफसी.इंश्योरेन्स कोरबा और श्रीराम लाईफइंश्योरेंश कटघोरा भाग लेंगे।

प्लेसमेंट के माध्यम से श्रमीन टेंलेंट प्रा0लि0 रायपुर, द्वारा फिल्ड टेक्निशियन - 150 पद, व्दम 97 कम्युनिकेशन लिमि0 (च्लजउ) बिलासपुर - फिल्ड सेल्स एक्जीक्यूटिव्ह - 25, सिनियर फिल्ड सेल्स एक्जीक्यूटिव्ह -10, आईसेक्ट पी.एम.के.के. कोसाबाड़ी कोरबा-1. सेल्स मैनेजर-01, 2.बिलिंग्कैशियर-01, सर्विस स्टॉफ02, सेल्फ एक्जीक्यूटिव्ह (फिल्ड)-03, रजिस्टर वर्कध्मैनेजमेंट स्टॉफ02, संजय इंडस्ट्रीज रजगामार रोड कोरबा पदनाम - मशीन ऑपरेटर-03, रोलर फ्टिर -10, सुपरवाईजर - 01, हेल्पर- 04, टाटा.ए.आई.ए.लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमि. कोरबा- बिजनेस एसोसिएट मैनेजर-05, लीडर मैनेजर-10, डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजर-10, इंश्योरेंस एडवाईजर-20,एच.डी.एफसी.।

'प्रोजेक्ट धड़कन'-आंगनबाड़ी व विद्यालयों में निःशुल्क हृदय रोग जांच अभियान जारी

डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया निरीक्षण

बीटीआई ग्राउण्ड शंकर नगर में लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को मिल रहा शानदार प्रतिसाद

0 बीटीआई ग्राउण्ड शंकर नगर में लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को मिल रहा शानदार प्रतिसाद

0 काटन, कोसा की साड़िया और सूट की महिलाएं जमकर कर रही खरीदी

रायपुर, शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को लोगों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के उत्कृष्ट बुनकरों, हस्तशिल्पियों, माटी शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे कोसा और काटन की साड़ियां, बेडशीट, ड्रेस मटेरियल, सूट, कॉटन बैग, कोसा शाल, जैकेट, बेलमेटल, काष्ठ-बॉस शिल्प, लौहशिल्प सामग्रियों को खरीदने के लिए प्रतिदिन लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। हस्तशिल्प और सजावटी सामग्रियां लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनी है। घरों सजावट के लिए लोग इन्हें खरीद रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि ग्रामोद्योग की यह प्रदर्शनी 7 अगस्त राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर शुरू हुई थी, जो 31 अगस्त तक चलेगी। हाथकरघा विभाग की ओर से इस प्रदर्शनी में विक्रय हेतु उपलब्ध सामग्रियों पर अधिकतम 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। प्रदर्शनी में राज्य के बुनकरों एवं शिल्पकारों द्वारा तैयार विविध उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु उपलब्ध कराए गए हैं।

कम स्टॉक वाले जिलों में प्राथमिकता के साथ यूरिया खाद के उपलब्धता सुनिश्चित हो - मंत्री केदार कश्यप

0 किसानों को अब तक 3.37 लाख मीट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण
0 सहकारी समितियों में 30 हजार 442 टन यूरिया शेष
0 सहकारिता मंत्री ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

रायपुर, । सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर खाद-बीज वितरण एवं भंडारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि राज्य के किसानों को सुविधा के अनुरूप खाद-बीज उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। डीएपी खाद की कमी को देखते हुए यूरिया और एनपीके खाद की निर्धारित लक्ष्य में बढ़ोत्तरी भी की गई है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि किसानों को समय पर रासायनिक खाद उपलब्ध कराने कम स्टॉक वाले जिलों में प्राथमिकता के साथ यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि खरीफविपणन वर्ष 2025 में यूरिया खाद हेतु 4.53 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समितियों में 3.67 लाख मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है एवं भंडारण के विरूद्ध प्रदेश के किसानों को 3.37 लाख मीट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण किया गया है। सहकारी समितियों में वर्तमान में 30 हजार 442 टन यूरिया खाद शेष है तथा विपणन संघ ने 12 हजार 119 टन यूरिया खाद उपलब्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि महासमुंद, बालोद, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोण्डागांव, कांकेर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायगढ़ और सक्ती जिलों में यूरिया खाद का स्टॉक कम है।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि इस वर्ष डीएपी एवं एनपीके खाद की आपूर्ति में कमी को ध्यान में रखते हुए आगामी खरीफसीजन में रासायनिक खाद की अग्रिम भंडारण ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य में किसानों को उनकी मांग के अनुरूप रासायनिक खाद उपलब्ध कराया जाए।

गौरतलब है कि सहकारिता के अंतर्गत इस वर्ष 10.72 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है। 18 अगस्त 2025 की स्थित में 8.14 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण हो चुका है, जिसके विरूद्ध अभी तक 7.34 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है तथा सहकारी समितियों में 69 हजार 562 टन रासायनिक खाद शेष है। इसी तरह इस वर्ष 4.42 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज भंडारित कर 4.07 लाख क्विंटल बीज किसानों को वितरित किए जा चुके है। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि किसानों को इस वर्ष 7 हजार 800 करोड़ रूपए अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 14.30 लाख किसानों को 6 हजार 366 करोड़ रूपए के अधिक की अल्पकालीन ऋण राशि वितरित की जा चुकी है।

आदि कर्मयोगी अभियानः प्रमुख सचिव श्री बोरा ने ली प्रदेश के 28 जिलों के कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

1 नवंबर को राज्य स्थापना की रजत जयंती एवं 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर होगा वृहद आयोजन अभियान

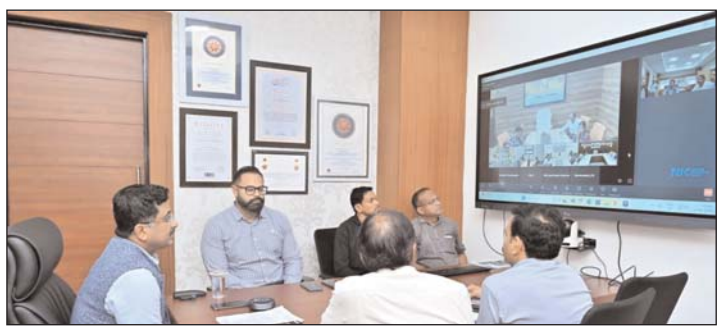

रायपुर। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा आज मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में 28 जिलों के कलेक्टर्स के साथ वीडियो कोन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आदि कर्मयोगी अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 28 जिलों के 128 विकासखण्डों एवं 6650 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में इस अभियान के माध्यम से शत प्रतिशत संतृप्ति के लक्ष्य को प्राप्त किया जाना है इसके लिए अन्य विभागों से भी आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि चिन्हांकित आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में जो भी क्रिटिकल गैप है उसे इस अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर आदि कर्मयोगी, ब्लॉक स्तर पर आदि सहयोगी एवं ग्राम स्तर पर आदिसाथी के माध्यम से पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस हेतु पूरे प्रदेश से लगभग 1.33 लाख वॉलंटियर तैयार किए जाने का लक्ष्य है, जो कि जमीनी स्तर पर जनजातीय समाज के लोंगों के बीच जाकर अभियान की सफलता को सुनिश्चित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा 6 अगस्त को आदि कर्मयोगी अभियान के संबंध में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को 16 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि इस अभियान हेतु रिस्पॉसिव गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत राजधानी रायपुर में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य तत्वाधान में संभागवार जिला मास्टर ट्रेनर्स के चार दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इसका मुख्य आयोजक है, जबकि इसमें बीआरएलएफ (भारत ग्रामीण आजीविका मिशन) द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पहले चरण में 11 से 14 अगस्त तक रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभाग एवं द्वितीय चरण 18 से 21 अगस्त में बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिला मास्टर ट्रेनर्स को अभियान की सभी सूक्ष्म जानकारियां राज्य मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी जा रही है।

प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन द्वारा 12 अगस्त को संभागवार जिला मास्टर ट्रेनर्स के प्रथम सत्र का शुभारंभ किया गया था। इसी प्रकार 19 अगस्त को केन्द्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय श्री दुर्गादास उइके द्वारा इसके द्वितीय चरण के प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री रामविचार नेताम द्वारा भी सत्र को संबोधित किया गया। प्रमुख सचिव ने बताया कि 01 नवंबर को राज्य स्थापना की रजत जयंती एवं 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर वृहद आयोजन किया जाना है। इसमें आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदिसाथी की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने 16 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 के मध्य जिलों में ष्सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी सेवा अभियानष् के रूप में मनाए जाने के संबंध में रूपरेखा को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने के निंदेश दिए। उन्होंने जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों को शामिल किए जाने के निर्देश दिए। बैठक को राज्य नोडल अधिकारी श्री ह्रदेश कुमार, प्रबंध संचालक, ट्राईफेड द्वारा भी वर्चुअली मोड संबोधित कर जिला कलेक्टर्स को अभियान की सफलता सुनिश्चित करने का आव्हान किया गया। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स को अभियान की पूरी रूपरेखा की जानकारी होनी चाहिए। इस हेतु एक व्यापक कार्ययोजना बनाकर उसपर पूरी गंभीरता के साथ काम किया जाए। साथ ही जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर भी अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कहा कि सभी जिला कलेक्टेरट में सूचना पटल आदि पर पीएम जनमन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तथा आदि कर्मयोगी अभियान का बिन्दुवार व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए इस संबंध में स्थानीय स्तर पर इन अभियानों से संबंधित सामाचारों को भी चस्पा किया जाना चाहिए, ताकि लोगों के मध्य अभियान को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस हेतु जिलों में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं की भी मदद ली जा सकती है।

) शिक्षा विभाग में तबादला,अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर, 20 अगस्त (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग ने अधिकारियों के तबादलों की नई सूची जारी की है। इस आदेश के तहत कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बार कई प्राचार्यों को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं उप संचालक स्तर पर भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

शासन के आदेश के मुताबिक, हेमंत उपाध्याय, जो मूल पद उप संचालक पर कार्यरत हैं, उन्हें प्रभारी संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग के रूप में पदस्थ किया गया है। रूपलाल ठाकुर को उप संचालक लोकशिक्षण संचालनालय के पद पर पदस्थ किया गया है। अजय कुमार मिश्रा, जो मूल रूप से प्राचार्य हैं, उन्हें सूरजपुर जिले का प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है। श्रीमती भारती वर्मा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर को सहायक संचालक राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर प्रशासनिक, अभय कुमार जायसवाल सहायक संचालक कार्यालय लोक शिक्षण संचालनालय इंद्रावती भवन नया रायपुर, प्राचार्य गेंदराम चतुर्वेदी को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा नियुक्त किया गया है वहीं डॉ कमल कपूर, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा को प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए उप प्राचार्य के पद पर जिला शिक्षा व प्रशिक्षण

वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

रायपुर। वन्यजीव अपराधों की रोकथाम और कार्रवाई में तेजी लाने के लिए बलौदाबाजार वनमण्डल कार्यालय में दो दिवसीय 'वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर प्रशिक्षण कार्यशाला' शुरू हुई। यह कार्यशाला 19 से 20 अगस्त तक वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, भोपाल के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह प्रशिक्षण वन्यजीव अपराधों की जांच और अभियोजन को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। पहले दिन के प्रशिक्षण का शुभारंभ वनमण्डलाधिकारी श्री धम्मशील गणवीर ने किया। इसमें उदंती-सीतानदी टाईगर रिजर्व के उप निदेशक श्री वरुण जैन, बारनवापारा अभ्यारण्य के उप वन संरक्षक श्री क्रिशानू चंद्राकर, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो भोपाल से डॉ. के.के. शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री यश कुमार सोनी, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फोरेंसिक एंड हेल्थ से डॉ. निधि राजपूत और मध्यप्रदेश पुलिस से श्री अफ़ज़ल खान जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, दंडनीय अपराधों की श्रेणियां, अनुसूचित प्राणियों का महत्व, अपराध जांच की प्रक्रिया और न्यायालय में साक्ष्यों की वैधानिकता पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने केस स्टडी और वास्तविक उदाहरणों के जरिए विषय को और अधिक सरल व प्रभावी बनाया।

कार्यशाला में डॉ. निधि राजपूत ने अपराध स्थल प्रबंधन और साक्ष्य संरक्षण पर विशेष जानकारी दी। वहीं श्री वरुण जैन ने बताया कि समय पर कार्रवाई और टीमवर्क से वन्य अपराधों पर रोक लगाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उदंती-सीतानदी टाईगर रिजर्व, बलौदाबाजार वनमण्डल और पुलिस विभाग के लगभग 70 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

लुण्ड्रा को मिला 10 करोड़ का विद्युत विस्तार

रायपुर। लुण्ड्रा विकासखंड के ग्रामीणों को लंबे समय से झेल रही लो वोल्टेज और बिजली आपूर्ति की समस्याओं से अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विधायक श्री प्रबोध मिंज की मांग पर क्षेत्र में विद्युत विस्तार कार्य के लिए 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के बाद लुण्ड्रा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को स्थायी समाधान मिलेगा।

स्वीकृति के अनुसार ककनी में 10 किलोमीटर 33 केवी लाइन और 9 किलोमीटर 11 केवी लाइन का विस्तार किया जाएगा। इसी तरह तुरियाबीरा में 10 किलोमीटर 33 केवी और 7 किलोमीटर 11 केवी लाइन बिछाई जाएगी। कुंवरपुर पंचायत में भी 1 किलोमीटर 33 केवी तथा 21 किलोमीटर 11 केवी लाइन का विस्तार होगा। विधायक श्री प्रबोध मिंज ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लोग वर्षों से मूलभूत सुविधाओं की कमी झेल रहे थे। जनता की समस्याओं को दूर करना उनकी पहली

प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

ग्रामीणों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए विधायक श्री मिंज का आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उनके गांवों में गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

राजस्व कार्य होंगे और अधिक पारदर्शी व समयबद्ध : मंत्री टंक राम वर्मा

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन से लेकर एग्रीस्टेक व जिओ-रिफ्रेंसिंग तक, जनता को मिलेगी त्वरित सुविधा

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में आज राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, एग्रीस्टेक और जिओ-रिफ्रेंसिंग जैसे सीधे जनता से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा कर कार्यो की प्रगति की जानकारी ली गई।

मंत्री श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता को राजस्व सेवाओं के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सभी कार्य समय-सीमा में और पारदर्शिता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे कार्य ग्रामीणों व किसानों की आजीविका से जुड़े हैं, ऐसे में इनकी समय पर पूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एग्रीस्टेक और जिओ-रिफ्रेंसिंग की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को नवीनतम तकनीक का अधिकतम उपयोग कर डिजिटल समाधान अपनाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने कहा तकनीक से न केवल कार्यकुशलता बढ़ेगी, बल्कि भ्रष्टाचार और विवादों पर भी अंकुश लगेगा। जनता को पारदर्शी और त्वरित सेवा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। नई तकनीक अपनाने से भूमि से जुड़े विवादों का भी त्वरित निराकरण संभव हो सकेगा।

बैठक में राजस्व विभाग के सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। मंत्री श्री वर्मा ने सभी अधिकारियों को राजस्व कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री के निर्देशों को अमल में लाने का भरोसा दिलाया।

खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

रायपुर। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर वर्ष 2024-25 के चावल जमा एवं आगामी विपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान खरीदी की आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।बैठक में मंत्री श्री बघेल ने केन्द्रीय पूल में चावल जमा की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की तथा इसमें तेजी लाने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस वर्ष चावल का कन्वर्ज़न नहीं किया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में चावल जमा सुनिश्चित हो।आगामी खरीफ वर्ष में उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की समीक्षा करते हुए मंत्री जी ने एग्री पोर्टल पर छूटे हुए किसानों का पंजीयन तत्काल करने के निर्देश दिये।इसके अतिरिक्त मंत्री श्री बघेल ने उपार्जन केन्द्रों में सुविधाएं बढ़ाने पर जोर देते हुए प्रत्येक जिले में 5-5 उपार्जन केन्द्रों को एल-5 (एक्सेलेंट) श्रेणी में लाने के निर्देश दिये। साथ ही, नये उपार्जन केन्द्रों के प्रस्ताव भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया।बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की सुचारू व्यवस्था हेतु एफआर.के. व्यवस्था एवं बारदाने की उपलब्धता को वृहद रूप देने पर भी विशेष निर्देश दिये गये। बैठक में खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, एमडी नागरिक आपूर्ति निगम श्रीमती किरण कौशल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)